सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

आवश्यकता है
ऑफिस के लिए चाय-नाश्ता, खाना बनाने एवं ऑफिस कार्य हेतु प्यून की आवश्यकता है।
वेतन चार अंकों में ....
पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई
संपर्क : 9827806026, 7869620239

वर्ष- 15 अंक - 65 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 18 दिसंबर 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

बिरनपुर हिंसाः मृतक का पिता बना विधायक तो शासन ने भेजा छोटे बेटे को पुलिस आरक्षक का नियुक्ति पत्र

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनते ही साजा के विधायक चर्चा में आ गए है। इसके साथ ही बिरनपुर का जिक्र भी तेजी से हो रहा है। क्योकि बिरनपुर मसाले में अब विधायक के बेटे के पास अनुकंपा नियुक्ति का पत्र पहुंचा है। यह मामला बेमेतरा जिले के बिरनपुर में सांप्रदायिक दंगे में भुवनेश्वर साहू की मौत हो गई थी। जिसके बाद उस वक्त सत्ता में मौजूद कांग्रेस सरकार ने परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने का ऐलान किया था। कांग्रेस ने जहां भुवनेश्वर साहू के परिवार के सदस्य को नौकरी देने की बात कही तो दूसरी तरफ भाजपा ने भुवनेश्वर के पिता ईश्वर साहू को साजा से विधानसभा का टिकट देकर मैदान में उतार दिया। नतीजा यह हुआ कि ईश्वर साहू ने कांग्रेस के दिग्गज नेता रविंद्र चौबे को चुनाव में हराकर विधानसभा पहुंच गए है। अब पिता विधानसभा पहुंचे से पुलिस विभाग ने कांग्रेस सरकार की घोषणा के अनुरूप परिवार के एक सदस्य (ईश्वर साहू के छोटे बेटे) बेटे कृष्णा साहू की नियुक्ति के लिए आदेश निकाल दिया है। इस पत्र के अनुसार छोटे बेटे को पुलिस विभाग में आरक्षक का पद मिल रहा है। वहीं दूसरी तरफ छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद लंबित अनुकंपा नियुक्ति की फाइल बड़ी तेजी से चली है। पिछली कांग्रेस सरकार में किए गए वादे जिसमें भाजपा विधायक ईश्वर साहू के बेटे कृष्णा साहू के लिए प्रशासन ने अभिमत प्रस्ताव भेज दिया है। एसपी भावना गुप्ता की तरफसे मंत्रालय के आदेश का पालन करते हुए अनुकंपा नियुक्ति के संबंध में पत्र भेजा गया है। एसपी गुप्ता के इस नियुक्ति पत्र में सहमति, शिक्षा,जाति, निवास प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है।

दाऊद इब्राहिम की पाकिस्तान में मौत! जहर देकर मारने की कोशिश की खबर, पुष्टि नही

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई हमलों का गुनाहगार और मोस्ट वांटेड आतंकवादी दाऊद इब्राहिम की मौत पर बड़ी खबर सामने आई है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि उसे जहर देकर मारने की कोशिश की गई। जिसके बाद उसे कराची में अस्पताल में भर्ती कराया गया। कई रिपोर्ट्स में उसके मौत की बात भी कही जा रही है। हालांकि इस खबर की अभी तक किसी ने पुष्टि नहीं की है। साथ ही इस बात के बारे में भी कोई जानकारी नहीं हो पाई है कि उसे किसने जहर दिया। इससे पहले भी कई बार-बार अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद के मौत की खबरें आ चुकी हैं। पर किसी बार इसकी पुष्टि नहीं हो सकी।

मंत्रियों के नामों पर सस्पेंस, दिल्ली से लौटे सीएम ने कहा- नए चेहरों को मिलेगी जगह

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

भिलाई। छत्तीसगढ़ के बहुप्रतीक्षित मंत्रिमंडल को भाजपा आलाकमान की मंजूरी मिल गई है। रविवार को दोनों उपमुख्यमंत्रियों के साथ दिल्ली गए सीएम विष्णुदेव साय सोमवार सुबह रायपुर लौट आए। मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने जल्द ही नए मंत्रिमंडल का गठन करने की बात कही। मंत्रिमंडल में नए और पुराने चेहरों का समावेश होगा। कुल 10 मंत्रियों के नामों को हरी झंडी मिलने की खबर है। इससे पहले मंत्रियों का शपथ ग्रहण टाल दिया गया था, क्योंकि पार्टी आलाकमान ने कुछ नामों को भावी रणनीति के हिसाब से सटीक नहीं पाया था। सीएम विष्णुदेव साय मंत्री पद के दावेदारों की पूरी सूची लेकर दिल्ली गए थे। उनके मुताबिक, वरिष्ठ नेताओं से हुई चर्चा के बाद जल्द ही मंत्रिमंडल का गठन कर लिया जाएगा। इधर, नई सरकार ने कल 19 दिसम्बर से विधानसभा का तीन दिवसीय संक्षिप्त शीतकालीन सत्र बुलाया है। सत्र के प्रारम्भ में नवनिर्वाचित विधायकों का शपथ ग्रहण होगा।

नवनिर्वाचित सरकार के मुख्यमंत्री और दो उपमुख्यमंत्रियों के नाम तय होने के बाद अब मंत्रियों के नाम भी फायनल हो गए हैं। सीएम विष्णुदेव साय दिल्ली से बंद लिफाफे में नए मंत्रियों के नाम लेकर लौट आए हैं। इसके बाद एक बार फिर कयास लगना शुरू हो गए हैं। सर्वाधिक चर्चाएं इस बात को लेकर है कि किन-किन नए चेहरों को मौका मिलने जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी आलाकमान पूरी कवायद आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कर रहा है। पार्टी सूत्रों की मानें तो साय के मंत्रिमंडल में इस बार चौकाने वाले

नाम हो सकते हैं। पार्टी जातिगत समीकरण को साधते हुए मंत्रिमंडल को विस्तार दे सकती है। इसमें जिस तरह नए चेहरे के रूप में विजय शर्मा को पहली बार विधायक बनते ही उप मुख्यमंत्री बनाया गया है, उसी तरह मंत्री भी बनाए जा सकते हैं। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी हर वर्ग को साधना चाहेगी। मुख्यमंत्री आदिवासी वर्ग से, उप मुख्यमंत्री ओबीसी और सामान्य वर्ग से बनाने के बाद मंत्रियों में भी इसी तरह जातिगत समीकरण देखने को मिल सकता है। इसमें नए चेहरे चौका सकते हैं।

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार के मंत्रिमंडल में कौन-कौन 10 विधायक मंत्री बनाए जाएंगे, यह जल्द ही सार्वजनिक हो जाएगा। पार्टी सूत्रों की मानें सीएम साय समेत उप मुख्यमंत्री द्वय अरुण साव व विजय शर्मा ने रविवार को दिल्ली में हाईकमान से मुलाकात की। इन नेताओं ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, सह प्रभारी नितिन नबीन, क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल व अन्य के साथ बैठक में मंत्रिमंडल को लेकर मंथन करने के बाद नाम तय किए। गौरतलब है कि प्रदेश में मुख्यमंत्री समेत 13 मंत्री ही हो सकते हैं। अब तक मुख्यमंत्री और दो उप मुख्यमंत्री समेत तीन नियुक्त हो चुके हैं। बाकी 10 को मंत्री बनाना है। जिन नामों की एक बार फिर से चर्चा है उनमें ओबीसी वर्ग से विधायक व पूर्व आइएएस ओपी चौधरी, अनुसूचित जाति वर्ग से गुरु खुशवंत साहेब शामिल हैं। इनके अलावा प्रदेश में महिला विधायकों में रेणुका सिंह, गोमती साय और लता उसेंडी में से किसी एक को मंत्री बनाया जा सकता है। मंत्री बनाने के लिए छह पुराने चेहरे पर भी चर्चा है। इनमें वरिष्ठ विधायक बृजमोहन अग्रवाल, राजेश मूणत, अजय चंद्राकर, केदार कश्यप, धरमलाल कौशिक और अमर अग्रवाल में से तीन से चार ही मंत्री बनाए जाएंगे। वहीं, बस्तर संभाग से केदार कश्यप, लता उसेंडी और विक्रम उसेंडी तीन दावेदार हैं। इसके अलावा नए चेहरे में किरणदेव और पूर्व आइएएस व विधायक नीलकंठ टेकाम भी मंत्री बनाए जा सकते हैं।

प्रोटेम स्पीकर कल दिलाएंगे विधायकों को शपथ

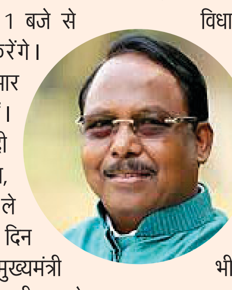

छठी विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायकों का शपथ ग्रहण समारोह कल 19 दिसम्बर को होगा। प्रोटेम स्पीकर रामविचार नेताम सुबह 11 बजे से शपथ दिलाने की शुरुआत करेंगे। विधायक अपनी सुविधा के अनुसार शपथ या प्रतिज्ञा ले सकते हैं। नवनिर्वाचित विधायकों को सुविधा दी गई है कि वे छत्तीसगढ़ी, संस्कृत, हिंदी और अंग्रेजी में भी शपथ ले सकते हैं। विधानसभा सत्र के पहले दिन सबसे पहले सदन के नेता यानी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को शपथ दिलाई जाएगी। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत शपथ लेंगे। इसके बाद मंत्रिमंडल के सदस्यों को शपथ दिलाई जाएगी। इसी दिन विधानसभा के अध्यक्ष का चुनाव भी होगा। विधानसभा सत्र के अगले दिन 20 दिसंबर बुधवार को राज्यपाल का अभिभाषण होगा। इस दौरान राज्यपाल सरकार की प्राथमिकता पर अपनी बात रखेंगे। इसके बाद 21 दिसंबर को राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा होगी। शासकीय काम किए जाएंगे। इस सत्र के दौरान अनुपूरक बजट पर भी चर्चा हो सकती है। संकेत मिले है कि नई सरकार 5 हजार करोड़ से अधिक का अनुपूरक बजट ला सकती है।

विधानसभाध्यक्ष के लिए डॉ. रमन निर्विरोध

छत्तीसगढ़ की परंपरा को कायम रखते हुए विपक्षी दल कांग्रेस ने विधानसभा अध्यक्ष के लिए आए नाम का समर्थन किया। भाजपा ने डॉ. रमन सिंह का नाम सदन के अध्यक्ष के लिए तय किया था। उनका निर्विरोध निर्वाचित होना तय है। इससे पहले रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने विधानसभा अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए नामांकन जमा किया। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम अरुण साव व विजय शर्मा, बृजमोहन अग्रवाल और धरमलाल कौशिक के साथ पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत भी मौजूद थे। इस दौरान डॉ. सिंह ने कहा, मैं पक्ष और विपक्ष दोनों को धन्यवाद देता हूं। हम नई जिम्मेदारी की ओर बढ़ रहे हैं। मुझे इस पवित्र सदन और पूरे छत्तीसगढ़ के 90 विधायकों के संरक्षण का दायित्व मिलने जा रहा है। इधर, विधानसभा में अध्यक्ष पद के लिए नामांकन सौंपने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. सिंह ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया है। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को भेजे इस त्यागपत्र में लिखा है कि वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद का निर्वहन कर रहा हूं, किंतु पार्टी द्वारा मुझे छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए नामित किया गया है। अतः भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष से मेरा त्यागपत्र स्वीकार किया जाए।

WHO ने सदस्य देशों को किया अलर्ट, सार्स कोव-2 अपने रूप में कर रहा बदलाव

जिनेवा (एजेंसी)। सांस संबंधी बीमारियों के बढ़ने और कोरोना के नए सबवैरिएंट जेएन.1 को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सदस्य देशों को आगाह किया है। डब्लूएचओ ने कहा है कि वायरस अपना स्वरूप बदल रहे हैं। ऐसे में सभी सदस्य देश अपने यहां मजबूत सर्विलांस रखें ताकि बीमारियों के प्रसार को रोका जा सके। डब्लूएचओ ने कोविड19 पर संगठन की टेक्निकल लीड मारिया वान केरखोव का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया है।

इस वीडियो में केरखोव ने सांस संबंधी बीमारियों के फैलने की वजह बताई है और इन्हें रोकने के लिए क्या सावधानी रखने की जरूरत है, उसकी भी जानकारी दी है।

सरकारों को कड़ी निगरानी करने की जरूरत

मारिया वान केरखोव ने भी सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि सांस संबंधी बीमारियां दुनिया में लगातार बढ़ रही हैं। इनमें कोरोना वायरल, फ्लू, रिनो वायरस, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और अन्य बीमारियां शामिल हैं। सार्स कोव-2 लगातार अपने आप को बदल रहा है। कोरोना का सबवैरिएंट जेएन.1 भी फैल रहा है। केरखोव ने कहा कि सांस संबंधी बीमारियों के फैलने की कई वजह है, इनमें एक मौजूदा छुट्टियों का सीजन भी है, जिसमें परिवार इकट्ठा होते हैं और बड़ी संख्या में लोग यात्राएं करते हैं। ऐसे में सरकारों को कड़ी निगरानी करने की जरूरत है।

बर्ड फ्लू को लेकर प्रदेश भर में अलर्ट, रैपिड एक्शन टीमें गठित

सोलन (एजेंसी)। कांगड़ा के पौंग डैम और बिलासपुर की गोबिंद सागर झील समेत सुखना झील में प्रवासी पक्षियों ने पहुंचना शुरू कर दिया है। वहीं इस मौसम में परिंदों में बर्ड फ्लू फैलने की भी आंशका रहती है। इसके लिए जिला पशुपालन विभाग ने भी अलर्ट जारी कर दिया है। खंड व जिला स्तर पर रैपिड एक्शन टीमों का भी गठन कर दिया है।

इसके अलावा जिले के पोल्ट्री फार्मों को भी अलर्ट पर रखा गया है। हालांकि अभी तक बर्ड फ्लू का कोई भी मामला सामने नहीं आया है। लेकिन विभाग सुरक्षा को लेकर पहले ही अलर्ट हो गया है।

लोकसभा चुनाव की तैयारीः भाजपा का ये है सियासी गणित, विष्णु, मोहन और भजन के जरिए बनाई खास रणनीति

लखनऊ (एजेंसी)। भाजपा ने राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय के जरिये यूपी में जातीय गणित साधने की रणनीति बनाई है। पार्टी ने ब्राह्मण, यादव और जनजातीय नेताओं को अपने-अपने समाज के बीच यह संदेश पहुंचाने को कहा है कि राजस्थान में ब्राह्मण, एमपी में यादव (पिछड़े) और छत्तीसगढ़ में एक सामान्य आदिवासी परिवार के कार्यकर्ता को सीएम बनाकर भाजपा ने उनके समाज का सम्मान बढ़ाया है।

यूपी में लंबे अर्से से कोई ब्राह्मण मुख्यमंत्री नहीं हुआ है। यादव समाज पर अपना हक समझने वाली सपा जब भी सत्ता में आई सरकार

की कमान नेतृत्व वाले परिवार में ही रही है। ऐसे में यूपी में ब्राह्मण डिप्टी सीएम के बाद राजस्थान में सीएम बनाकर पार्टी इस समाज को यह संदेश देने में जुट गई है कि उनका सम्मान भाजपा में ही है।

मध्य प्रदेश जैसे बड़े राज्य में यादव समाज से सीएम बनाकर यूपी में यादव समाज को बताना शुरू कर दिया गया है कि भाजपा में कोई भी किसी भी पद पर पहुंच सकता है, चाहे वह यादव ही क्यों न हो। यह भी बताया जा रहा है कि यादव समाज सपा में नेतृत्व का पद तो कभी नहीं पा सकता। जब भी ऐसा अवसर आएगा, अखिलेश यादव या उनका परिवार ही मौका पाएगा। यूपी में आदिवासी मतदाताओं की संख्या तो ज्यादा नहीं है, लेकिन पूर्वांचल की कुछ सीटों को यह समुदाय प्रभावित करता है। छत्तीसगढ़ में आदिवासी समाज से सीएम बनाकर पार्टी ने दलितों-आदिवासियों को यह संदेश देने का प्रयास शुरू कर दिया है कि उनके हित भाजपा में ही सुरक्षित हैं।

सियासी प्रयोग का फायदा उठाने की रणनीति

पार्टी लोकसभा चुनाव में ब्राह्मण, यादव व आदिवासी समाज के बीच अपने सियासी प्रयोग का फायदा उठाना चाहती है। पार्टी ने तीनों जातियों से जुड़े नेताओं और जनप्रतिनिधियों को इसके लिए सक्रिय कर दिया है। यादव समाज से जुड़े नेता और पदाधिकारी जहां मोहन यादव को सीएम बनाने के लिए पीएम मोदी का आभार जताते हुए पोस्टर, बैनर और होर्डिंग्स के जरिये इसका प्रचार कर रहे हैं। वहीं ब्राह्मण समाज के नेता भी अपने समाज के बीच भजनलाल शर्मा को सीएम बनाने के लिए पार्टी नेतृत्व का आभार जता रहे हैं। जनजाति प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता भी विष्णुदेव साय के जरिए जनजाति समुदाय को साधने का प्रयास कर रहे हैं। नेता और जनप्रतिनिधि समाज को बता रहे हैं कि भाजपा ने ही उनके समाज को उचित नेतृत्व दिया है। अब इन समाजों के सामाजिक संगठनों के जरिये भी इसके लिए पीएम मोदी और भाजपा नेतृत्व का आभार प्रकट कराने की तैयारी है। यादव महासभा ने तो मोहन यादव को सीएम बनाने के लिए भाजपा का आभार भी जता चुकी है।

कालिख सिर्फ कोयले की नहीं होती

श्रीकंचनपथ

अकसर कहा जाता है कि काजल की कोठरी में जाओगे तो कालिख तो लगेगी ही। यही बात कोयले के बारे में भी कही जाती है। कहा जाता है कि काले कोयला के काले धंधे में नाम आ गया तो जिन्दगी भी काली हो जाती है। छत्तीसगढ़ के बहुत सारे माननीय इन दिनों जेलों में बंद हैं। फिलहाल उनका वक्त पूजा-पाठ, ध्यान-योग, किताबें पढ़ने में गुजर रहा है। दरअसल, उन्हें किसी ने बताया ही नहीं कि जिन्दगी जीने के लिए केवल पैसों का होना जरूरी नहीं है, मकसद भी होना चाहिए। 1960 और 70 के दशक में स्कूल, कालेज में दाखिले के समय पूछा जाता था कि आपकी हॉबी क्या है। हॉबी से तात्पर्य उस शौक से है जो आपको बेहतर इंसान बनाता है। किसी की रुचि साहित्य में होती तो कोई बागवानी का शौक बताता। वहीं अधिकांश लोग चित्रकारी, खेलकूद और कविता लेखन को अपना शौक बताते। पिछले कुछ समय में शौक लगभग फिक्स हो चुके हैं। पैसा होगा तो ब्रांडेड खरीदेंगे, विदेश घूमेंगे और छककर दारू पिएंगे। बड़े-बड़े क्लब की मेम्बरशिप होगी और बड़े-बड़े होटलों में ठहरेंगे। जब मकसद केवल पैसा कमाकर बड़ा आदमी बनना हो और इच्छा दुनिया को खरीदने की हो तो मनुष्यता का पतन हो ही जाता है। ऐसे में काम आते हैं जेल जो उन्हें वापस धरती पर लाकर पटक देते हैं। यहां पैसा काम नहीं आता। अपराध की सजा डराती है तो भगवान याद आता है, साहित्य पनाह देती है। अफसरी झड़ जाती है और मनुष्यता लौट आती है। पर इंसानियत पर कालिख सिर्फआपराधिक कारणों से नहीं चढ़ती। कुछ लोगों की कुल जमा औकात ही इतनी छोटी होती है कि उनका शेष जीवन बीती उपलब्धियों का साया मात्र बनकर रह जाता है। पूर्व जीएम, पूर्व सीजीएम, पूर्व डीजीएम रहे ये लोग इसी के साये में जीवन व्यतीत करना चाहते हैं। पूर्व विधायक, पूर्व सांसद या पूर्व पार्षद के पास तो फिर मौका होता है कि वो एक बार फिर चुनाव जीत जाएं पर खोई हुई अफसरी के दोबारा मिलने की संभावना न के बराबर होती है। खासकर तब, जबकि व्यक्ति पद से सेवानिवृत्त हुआ हो। ऐसे लोग जब भी किसी से मिलते हैं, अपना ओहदा ही बताते हैं। गलती यह कि वो सामने वाले से भी उसका ओहदा ही पूछते हैं। ऐसे में याद आती फिल्म 'थ्री ईडियट्स' की। चतुर रामलिंगम उस वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है जो डिग्री और सर्टिफिकेट की बदौलत एक बड़े ओहदे तक पहुंच जाता है। उसे अपनी औकात तब समझ में आती है जब उसका पाला फुंगसुक वांगडू से पड़ता है। जब आप किसी से मिलते हैं तो कोई तो वजह होती ही है। क्या यह बेहतर नहीं होगा कि उसी वजह को प्रधानता दी जाए? सुनसान सड़क पर गाड़ी बिगड़ जाए तो धक्का देने वाला चरवाहा भी भगवान होता है। जब प्यास से प्राण निकल रहे हों तो पानी देने वाले की जात नहीं पूछी जाती।

संपादकीय

हृदय की चिंता के दिन

सर्दियों के आते ही हृदय रोग की प्रबलता बढ़ जाती है और दिल के दौरे सुर्खियां बटोरने लगते हैं। युवाओं में भी हृदय रोग की शिकायत जिस तरह से बढ़ रही है, वह विशेष रूप से चिंता की वजह बन गई है। महज 47 वर्षीय अभिनेता श्रेयस तलपड़े को भी दिल का दौरा पड़ा और उन्हें एंजियोप्लास्टी करानी पड़ी। तलपड़े हंसमुख प्रवृत्ति और हल्के बदन के अभिनेता हैं, इसके बावजूद उनको पड़ा दिल का दौरा न केवल चिंताजनक, बल्कि दुखद भी है। यह अच्छी बात है कि उन्हें समय पर अस्पताल ले जाया गया और उनका उपचार आसानी से हो सका। विगत वर्षों में एकाधिक युवा अभिनेताओं को समय पर उपचार लाभ नहीं मिल सका है। यह बात स्पष्ट है कि बदलती जीवन-शैली के साथ हृदय रोग के प्रति लोगों को जितना सचेत रहना चाहिए, उतना नहीं रहते हैं। ऐसा नहीं है कि हृदय संबंधी शिकायतें केवल भारत में बढ़ रही हैं। तुर्की के एक विपक्षी नेता हसन बिटमेज का गुरुवार 14 दिसंबर को निधन हो गया। वह इजरायल के विरुद्ध अपना भावपूर्ण भाषण देने के बाद मंच पर ही गिर पड़े थे और उनकी भी उम्र महज 54 थी। ऐसे अनेक वीडियो हैं, जिनमें लोग नाचते-चलते या बोलते-बोलते ही हृदयाघात के शिकार होते दिखते हैं। क्या हमारी दुनिया हृदय रोगों से मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार नहीं है? भारत में तो हृदय रोग को लेकर ज्यादा अध्ययन नहीं हुए हैं, पर अमेरिका में हुए अध्ययन से पता चलता है कि जाड़े के दिनों में दिल के दौरे की शिकायत में 30 प्रतिशत तक वृद्धि हो जाती है। कुछ डॉक्टर बताते हैं कि गरमी के दिनों की तुलना में दिल के दौरे के दोगुने मामले ठंड के दिनों में होते हैं। पारंपरिक रूप से अगर हम देखें, तो भारत में भी बूढ़ों के लिए सर्दी के मौसम को चिंताजनक बताया जाता है। बहुतों के लिए 15 दिसंबर से लेकर मकर संक्रांति के पहले तक रातें बहुत मुश्किल से कटती हैं। ऐसे में, सर्दियों में सेहत के प्रति ज्यादा जागरूकता अनिवार्य है। सही खान-पान के अलावा अपनी दिनचर्या को ऐसे रखना चाहिए, ताकि शरीर में स्वाभाविक रूप से ऊष्मा बनी रहे। शरीर चलाना और ज्यादा से ज्यादा पैदल चलना जरूरी है, जबकि लोग जाड़े में एक जगह सिमटे रहना पसंद करते हैं। वैसे पिछले तीन वर्षों से भारत में हृदय संबंधी शिकायतों को कोविड महामारी से जोड़कर भी देखा जा रहा है। चिकित्सकों की सलाह भी है कि जिन लोगों को कोविड हुआ था, उन्हें कुछ वर्ष सतर्कता के साथ बिताने चाहिए, ज्यादा शारीरिक मेहनत से बचना चाहिए। आंकड़े गवाह हैं कि भारत में अकेले 2022 में दिल के दौरे में 12.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि वर्ष 2021 में 28,413 लोगों की दिल के दौरे से मौत हुई थी, जबकि साल 2022 में 32,457 लोगों की मौत हुई। सबसे दुखद तो यह है कि दिल के दौरे के लगभग आधे मामले 'साइलेंट' होते हैं, जिसे लोग समझ भी नहीं पाते हैं। हृदय संबंधी शिकायत किसी भी उम्र में हो सकती है। चिकित्सक सलाह देते हैं कि शरीर के सूक्ष्म संकेतों पर ध्यान देना चाहिए। बुनियादी रूप से यह माना जाता है कि किसी भी तरह का तनाव लेना घातक हो सकता है, लेकिन शारीरिक सक्रियता से किसी भी तरह के तनाव को संतुलित किया जा सकता है। बचाव के तमाम चिकित्सकीय उपायों से ज्यादा जरूरी है कि अपने शरीर में हो रही तकलीफ की दूसरों से चर्चा करना, ताकि सही परामर्श और उपचार तक पहुंच सुनिश्चित हो सके।

> कुछ डॉक्टर बताते हैं कि गरमी के दिनों की तुलना में दिल के दौरे के दोगुने मामले ठंड के दिनों में होते हैं। पारंपरिक रूप से अगर हम देखें, तो भारत में भी बूढ़ों के लिए सर्दी के मौसम को चिंताजनक बताया जाता है। बहुतों के लिए 15 दिसंबर से लेकर मकर संक्रांति के पहले तक रातें बहुत मुश्किल से कटती हैं।

अच्छे इरादों का इजहार

संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित कॉप-28 में सभी देश जीवाश्म ऊर्जा का इस्तेमाल क्रमिक रूप से घटाने पर सहमत हुए। उनमें अक्षय ऊर्जा का उपयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। मीडिया रिपोर्टों में इस समझौते को ऐतिहासिक बताया गया है। लेकिन खुद उन्हीं खबरों में यह बताया गया है कि जीवाश्म ऊर्जा का इस्तेमाल रोकने और अक्षय ऊर्जा को पूरी तरह अपना लेने की कोई समयसीमा या समयबद्ध योजना तय नहीं की गई है। इस प्रक्रिया के लिए धन और तकनीक उपलब्ध कराने के इरादे जरूर जताए गए हैं, लेकिन इस दिशा में कौन कितनी जिम्मेदारी निभाएगा, यह तय नहीं हुआ है। कॉप-28 में जुटे नुमाइंदों ने तापमान वृद्धि को सीमित करने संबंधी पेरिस जलवायु संधि में तय लक्ष्य के प्रति अपने को फिर से वचनबद्ध किया, इसे एक बड़ी सफलता माना गया है। 2015 में हुई पेरिस संधि में तय किया गया था कि तमाम देश ऐसे कदम उठाएंगे ताकि धरती का तापमान (औद्योगिक युग शुरू होने के समय जो औसत तापमान था, उसकी तुलना में) 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक नहीं बढ़ पाए।

उसके बाद से हर साल होने वाले कॉप (संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता में शामिल पक्षों के) सम्मेलन में इस लक्ष्य को दोहराया गया है। लेकिन बुनियादी सवाल यह है कि आखिर इस दिशा में अब तक क्या प्रगति हुई है? दरअसल, उचित तो यह होगा कि 1992 में शुरू हुई जलवायु वार्ता के बाद से अब तक की प्रगति का जायजा लिया जाए। खुद संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों में बार-बार बताया गया है कि यह प्रगति बेहद असंतोषजनक है। प्रगति की यही रफ्तार रही तो साल 2100 से बहुत पहले ही धरती का तापमान खतरनाक सीमा तक बढ़ जाएगा। समस्या यह रही है कि विकसित देश अपनी जीवन-शैली और आर्थिक हितों पर कोई समझौता करने को तैयार नहीं हुए हैं। यूक्रेन युद्ध के बाद बने हालात में तो यूरोप में भी ऊर्जा नीतियां नकारात्मक दिशा में चली गई हैं, जो जलवायु के सवाल पर सबसे अधिक संवेदनशील था। ऐसे में यूएई में हुआ करार अच्छे इरादों के इजहार से अधिक कुछ हो पाएगा, क्या ऐसी उम्मीद रखी जा सकती है?

अब यूपी में सक्रिय होंगे नीतीश

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू के नेता उत्तर प्रदेश को लेकर अक्सर कोई न कोई योजना बनाते रहते हैं। कई बार जदयू ने यूपी में विस्तार करने की योजना बनाई। पार्टी के प्रधान महासचिव केसी त्यागी इसकी कोशिश में रहे तो जब आरसीपी सिंह पार्टी के अध्यक्ष थे तब उन्होंने भी प्रयास किया था। लेकिन कभी कामयाबी नहीं मिली। जब से बिहार में जाति गणना हुई है और नीतीश कुमार को राष्ट्रीय स्तर पर प्रोजेक्ट करने के प्रयास शुरू हुए हैं तब से चर्चा है कि नीतीश उत्तर प्रदेश से चुनाव लड़ सकते हैं। कुछ समय पहले फूलपुर के कुछ लोग पटना जाकर नीतीश और पार्टी के अन्य नेताओं से मिले थे और उनसे फूलपुर सीट पर चुनाव लड़ने का आग्रह किया था। लव-कुश यानी कोईरी-कुर्मी समीकरण वाले इस सीट पर कांग्रेस नेता प्रियंक गांधी वाड्रा के भी चुनाव लड़ने की चर्चा चलती रहती है क्योंकि पारंपरिक रूप से यह सीट कांग्रेस की रही है और पंडित जवाहरलाल नेहरू इस सीट से चुनाव लड़ते थे। बहरहाल, फूलपुर के अलावा नीतीश कुमार को लेकर यह भी चर्चा रही है कि वे वाराणसी सीट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ लड़ सकते हैं। प्रधानमंत्री बनने की आकांक्षा रखने वाले अरविंद केजरीवाल 2014 में वाराणसी लड़े थे लेकिन उसके बाद फिर वहां नहीं गए। प्रियंका गांधी वाड्रा के भी वाराणसी लड़ने की खबरें आती रहती हैं और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने यह संकेत भी दिया था कि इस बारे में चर्चा हुई है। बहरहाल, अब खबर है कि नीतीश कुमार 24 दिसंबर को वाराणसी लोकसभा क्षेत्र के तहत आने वाली रोहनिया सीट पर एक जनसभा करेंगे। यह कुर्मी बहुल इलाका है। वहां से नीतीश कुमार कोई मैसेज दे सकते हैं। वे वाराणसी या फूलपुर से चुनाव लड़ेंगे या नहीं यह तय नहीं है लेकिन यह तय है कि वे पूर्वी उत्तर प्रदेश में अपनी पार्टी के विस्तार को लेकर गंभीर है।

> दुनिया का इतिहास अल्पसंख्यकों और बहुसंख्यकों की ऐसी ही कहानियों और टकरावों के किस्सों से भरा पड़ा है। कुछ जगह तो इन टकरावों का रूप बहुत भयानक है, जिसने इतिहास के बहुत सारे अध्याय रक्तरंजित भी किए हैं। भारत के शुरुआती इतिहास में इस तरह के टकराव अपेक्षाकृत अनुपस्थित दिखाई देते हैं। हालांकि, बहुत बाद में यहां भी ऐसे टकरावों से बच पाना संभव नहीं रहा।

सोशल मीडिया के युग में अल्पसंख्यक

हरजिंदर, वरिष्ठ पत्रकार

कहानी बहुत पुरानी है। शायद आठवीं सदी या उसके भी बाद की। आज जो गुजरात है, उसके सजन नाम के एक तट पर ईरान से जान बचाकर भागे पारसी शरणार्थियों के एक जहाज ने लंगर डाला। स्थानीय राजा जाधव राणा ने उनके मुखिया के पास दूध से भरा एक कटोरा भेजा। यह एक संदेश था कि राज्य के पास उनके लिए बहुत ज्यादा नहीं है। उधर, पारसी समुदाय के मुखिया ने दूध में चीनी घोलकर उस कटोरे का वापस भेज दिया। जवाबी संदेश यह था कि हम यहां आए हैं, तो दूध में चीनी की तरह घुल जाएंगे और माहौल को मधुर ही बनाएंगे। पारसी समुदाय ने यह करके दिखाया भी। यह कहानी पारसी समुदाय के एक ग्रंथ किस्सा-एढन में इसी तरह से दी गई है।

हालांकि, जिस समय यह जहाज सजन के तट पर पहुंचा, उससे बहुत पहले केरल और पश्चिम भारत में यहूदी समुदाय के लोग पहुंच चुके थे, और वे भी दूध में चीनी की तरह घुलकर स्थानीय संस्कृति से समृद्ध हो रहे थे और समृद्ध कर रहे थे। यहूदी इतिहासकारों को पढ़े, तो वे यही लिखते हैं कि यहूदी पश्चिम एशिया से निकलकर जहां कहीं जा बसे, उनमें भारत ही एकमात्र ऐसी जगह थी, जहां यहूदी विरोधी या ऐंटी-सेमीटिज्म की भावनाएं बिल्कुल नहीं थीं।

दूध में चीनी का यह मुहावरा सिर्फ प्रतीकात्मक है। इसका यह अर्थ नहीं है कि यहूदी और पारसी समुदायों ने यहां आकर अपनी पहचान पूरी तरह खो दी। उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाए रखी। उनकी भाषा भले ही विस्मृत होती गई, लेकिन उनका धर्म, उनकी वेश-भूषा और उनके पकवान अभी तक उनके साथ हैं। जिनको हम अल्पसंख्यक कहते हैं, उनकी परिभाषा भी यही होती है- ऐसे समुदाय, जो एक तरह के लोगों की भारी भीड़ के बीच अपनी अलग पहचान बनाए रखने को प्रतिबद्ध होते हैं। यह पहचान उनकी भाषा हो सकती है, उनका धर्म हो सकता है, उनकी संस्कृति हो सकती है, उनकी अलग जीवन-शैली हो सकती है, या उनकी अलग जातीय पृष्ठभूमि हो सकती है।

दुनिया का इतिहास अल्पसंख्यकों और बहुसंख्यकों की ऐसी ही कहानियों और टकरावों के किस्सों से भरा पड़ा है। कुछ जगह तो इन टकरावों का रूप बहुत भयानक है, जिसने इतिहास के बहुत सारे अध्याय रक्तरंजित भी किए हैं। भारत के शुरुआती इतिहास में इस तरह के टकराव अपेक्षाकृत अनुपस्थित दिखाई देते हैं। हालांकि, बहुत बाद में यहां भी ऐसे टकरावों से बच पाना संभव नहीं रहा।

दुनिया ने 20वीं सदी में ही ऐसे सबसे ज्यादा और सबसे भीषण टकराव देखे, और दूसरा सच यह है कि इसी सदी ने ही अल्पसंख्यकों के लिए राहत की सबसे ज्यादा संभावनाएं भी पैदा कीं। लोकतंत्र और उदारवाद ने उन्हें सबसे ज्यादा उम्मीद दी। दोनों ने ही परस्पर सहिष्णुता को एक मूल्य के रूप में स्थापित करने की कोशिश की। इसी दौरान संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं ने भी अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर काफी कुछ किया। एक अवधारणा यह भी दी गई कि कोई लोकतंत्र कितना समृद्ध है, इसे देखने का पैमाना यह है कि वहां अल्पसंख्यक खुद को कितना सुरक्षित महसूस करते हैं। यह स्थापना इसी दौर में दी गई कि लोकतांत्रिक सरकार का पहला कर्तव्य अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करना है। यही बात दूसरे ढंग से कभी देश के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कही थी, जिसको लेकर आज भी उनकी आलोचना होती है।

20वीं सदी का अंत आते-आते ज्यादातर दुनिया से अल्पसंख्यकों और बहुसंख्यकों के टकराव विलुप्त होने लग गए थे। जहां वे बरकरार थे, वहां भी माना जा रहा था कि वे ज्यादा दिन नहीं टिकने वाले। राजनीतिशास्त्री और दार्शनिक यह कहने लगे थे कि दुनिया धीरे-धीरे सह-अस्तित्व वाले लोकतांत्रिक युग की ओर बढ़ रही है। बहुत से पूर्वाग्रह खत्म नहीं हुए थे, पर ऐसी व्यवस्थाएं बनने लगी थीं, जिनके संचालन में पूर्वाग्रहों की भूमिका बहुत कम हो चुकी थी।

लोकतंत्र और उदारवाद, दोनों ही विचारधाराएं 20वीं सदी की उपज नही थीं, उनके सपने बहुत पहले ही देख लिए गए थे। मगर 20वीं सदी ने इन दोनों विचारों को जमीन पर उतारने और समृद्ध बनाने का काम किया। 21वीं सदी से उम्मीद थी कि वह इस विरासत को आगे बढ़ाएगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। बहुत जल्द ही उदारवाद को खलनायक की तरह पेश किया जाने लगा और लोकतंत्र के लिए तो कुछ लोगों ने मर्सिये तक पढ़ दिए।

इसी 21वीं सदी की एक बड़ी ईजाद थी सोशल मीडिया, जिसने बहुत जल्द पूरी दुनिया को अपने आगोश में ले लिया और तकरीबन सारे सामाजिक, राजनीतिक समीकरण बदल दिए। इस सोशल मीडिया ने समाज में पहले से मौजूद पूर्वाग्रहों को जितनी हवा दी, उतनी इतिहास में किसी तानाशाह, किसी सांप्रदायिक नेता या किसी कट्टरपंथी ने नहीं दी थी। अल्पसंख्यक इसका सबसे पहला निशान बने और उनके खिलाफ आग उगलने का सिलसिला न सिर्फ जारी है, बल्कि लगातार बढ़ता जा रहा है। इसे समझने के लिए बहुत दूर जाने की जरूरत नहीं है। इसे आप अपने आस-पास, यहां तक कि अपने स्मार्टफोन पर कभी भी देख सकते हैं। यह भारत में हो रहा है, अमेरिका में हो रहा है, यूरोप के बहुत शांत व समावेशी समझे जाने वाले देशों में भी हो रहा है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग की एक रिपोर्ट में स्वीकार किया गया है कि ऑनलाइन नफरत के सबसे बड़े शिकार अल्पसंख्यक समुदायों के लोग बन रहे हैं, इनमें भी सबसे ज्यादा निशाना इनकी महिलाओं को बनाया जा रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अक्सर यह नफरत अपराध व हिंसा में बदल जाती है। इसके कई उदाहरण हमें अपने देश में भी मिल जाएंगे। सिर्फ इसी वजह से इस समय दुनिया भर के अल्पसंख्यक खुद को जितना असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, उतना उन्होंने पिछली आधी सदी में कभी नहीं किया था। खासकर लोकतांत्रिक देशों में रहने वाले अल्पसंख्यकों के लिए तो इसने कुछ ज्यादा ही मुश्किलें पैदा कर दी हैं। उनके पास देश के बाकी बहुसंख्यकों की तरह सारे राजनीतिक अधिकार हैं, अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए बनाए गए अधिकार भी हैं, फिर भी वे असुरक्षित हैं। यह सिर्फ असुरक्षा-भावना का मामला नहीं है, जो खतरे सामने हैं, वे हकीकत हैं।

आज राष्ट्रीय अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर पहली जरूरत इसी नफरत को खत्म करने की है। नफरत रही, तो वे अधिकार भी अपना अर्थ खो देंगे, जो हमने अल्पसंख्यकों को दिए हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

मनुष्य के हौसले से बड़ा कुछ नहीं, जाति भी नहीं

नंदितेश निलय, नैतिक शिक्षा से जुड़े लेखक

चुनावी मौसम में जाति और धर्म मनुष्य और मनुष्य होने के प्रश्न को कभी-कभी धुंधला कर देते हैं। देश की उच्च संस्थाएं भी जब उस जाति के भार से उन छात्रों को मुक्त नहीं कर पातीं, तो दुख होता है। चलिए थोड़ा उस अमेरिका की बात कर लें, जहां कुछ महीने पहले उसके सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अमेरिका में अब नस्ल या 'रेस' को किसी कॉलेज में दाखिले का आधार नहीं माना जाएगा। इस ऐतिहासिक फैसले के साथ ही अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने दशकों से चली आ रही नीतियों को खत्म कर दिया।

अगर हम अपने देश की बात करें, तो हमारा संविधान समानता की ही बात करता है और आजादी के बाद से ही कुछ न कुछ ऐसी कोशिशें जारी रहीं कि दलित हों या सवर्ण, सभी को शिक्षा का समान अधिकार मिले और यह हुआ भी। आईआईटी व आईआईएम जैसी देश की उच्च संस्थाएं दलित-पिछड़ी जातियों के छात्रों का स्वागत करती नजर आईं। फिर ऐसा क्या हुआ कि पिछले पांच वर्षों में अनुसूचित जाति (एससी) हो या अनुसूचित जनजाति (एसटी) या फिर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), इन सभी समुदायों के 13,626 छात्रों ने केंद्रीय विश्वविद्यालयों व तमाम उच्च शिक्षण संस्थानों की पढ़ाई बीच में छोड़ दी? बताया गया है कि बीते पांच वर्षों में 4596 ओबीसी, 2424 एससी और 2622 एसटी विद्यार्थियों ने केंद्रीय विश्वविद्यालयों को त्याग दिया, जबकि इसी अवधि में 2066 ओबीसी छात्र, 1068 एससी व 408 एसटी विद्यार्थी आईआईटी संस्थान छोड़ चुके हैं। आईआईएम संस्थानों की पढ़ाई को भी 163 ओबीसी, 188 एससी व 91 एसटी छात्रों ने छोड़ दिया। जिन संस्थानों में दाखिला पाना एक ख्वाब होता है, वहां पहुंचकर बीच में निकल आना वाकई अफसोसनाक है। यहां सवाल उठता है कि क्या दलित या पिछड़ी जाति के विद्यार्थियों को इन संस्थानों में किसी तरह की

मनोवैज्ञानिक समस्याएं झेलनी पड़ती हैं? क्या इन संस्थानों में उस तरह के शैक्षणिक वातावरण का अभाव है, जहां मानवीय मूल्यों को सर्वोपरि रखा जाए? या इनकी यांत्रिक मूल्यांकन व्यवस्था उन छात्रों पर ज्यादा दवाब लाता है, जो इन पृष्ठभूमि से आते हैं और बहुत हद तक कोचिंग संस्थाओं के 'एक्सपोजर' से दूर हैं? सामाजिक पिछड़ेपन का रिश्ता आर्थिक पिछड़ापन से निकट का होता है। यह सब अधूरापन कई बार मानसिक रूप से व्यक्ति को कमजोर भी कर देता है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने साल 2021 में बताया था कि साल 2014 से 2021 के बीच देश भर के आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों समेत दीगर उच्च शिक्षण संस्थानों में 120 से ज्यादा छात्रों ने आत्महत्या की है और इनमें से 68 छात्र आरक्षित समुदायों से आते थे! टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएससी, बेंगलुरु), बिट्स, पिलानी और क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु के शोधकर्ताओं के एक समूह द्वारा किए गए सर्वेक्षण के अनुसार, कई विश्वविद्यालयों ने अभी तक यूजीसी द्वारा जाति-आधारित भेदभाव को खत्म करने के लिए जारी निर्देशों को लागू नहीं किया है। सच यह है कि हमारे अंदर शिक्षा ही उस समानता, आत्मसम्मान और जागरूकता के भाव का निर्माण करती है, जो किसी विकसित समाज का आधार होता है।

इस संसार ने रंगभेद की लंबी लड़ाई लड़ी है। अब्राहम लिंकन ने, जो एक मोची के बेटे थे, सीनेट में जाते वक्त भी कड़वी बातें झेलीं और उन्हें अमेरिका समेत समूचा विश्व आज सलाम कर रहा है। ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं। इसलिए हौसला बरकरार रखने की जरूरत है। आप किसी भी जाति या समुदाय से हों, आपको पढ़ना है और मुकाबले में बने रहना है। शिक्षा ही आपको हर तरह की ग्रंथियों से मुक्ति दिलाएगी। पढ़ाई बीच में छोड़ने वाले विद्यार्थियों को यह नहीं भूलना चाहिए था कि बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर की कलम भी एक या दो नहीं, बल्कि कई थीसिस को लिखती चली गई। उन्होंने देश से अस्पृश्य भाव को मिटाने का कार्य किया और शिक्षा व ज्ञान को ही इसका माध्यम बनाया। यहां कुंवर नारायण की कविता की ये पंक्तियां काफी मौजूं लगती हैं, कोई दुख मनुष्य के साहस से बड़ा नहीं, हारा वही जो लड़ा नहीं! तो लड़िए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अब तो बादलों में भी मौजूद हैं माइक्रोप्लास्टिक

मुकुल व्यास

दुनिया में प्लास्टिक के सूक्ष्म कणों से होने वाला प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है। पश्चिमी प्रशांत महासागर स्थित 11 किलोमीटर गहरी मारियाना ट्रेंच से लेकर माउंट एवरेस्ट की चोटी तक, पृथ्वी पर लगभग सभी जगह माइक्रोप्लास्टिक पाए गए हैं। अब एक नए अध्ययन से पता चला है कि प्लास्टिक के छोटे-छोटे टुकड़े हमारे बादलों में भी मौजूद हैं और वे हमारे द्वारा खाए और पिए जाने वाली लगभग हर चीज को दूषित कर सकते हैं। जापान में शोधकर्ताओं ने माउंट फूजी और माउंट ओयामा पर चढ़ाई की और उनकी चोटियों पर छाई धुंध के पानी में माइक्रोप्लास्टिक पाया।

इस अध्ययन के प्रमुख लेखक हिरोशी ओकोची ने कहा, अगर प्लास्टिक वायु प्रदूषण के मुद्दे से सक्रिय रूप से नहीं निपटा गया, तो जलवायु परिवर्तन और पारिस्थितिक जोखिम एक वास्तविकता बन सकते हैं। इससे भविष्य में अपरिवर्तनीय और गंभीर पर्यावरणीय क्षति हो सकती है। अध्ययन में वैज्ञानिकों ने बादलों से पानी इकट्ठा करने के लिए माउंट फूजी और माउंट ओयामा पर चढ़ाई की। फिर उन्होंने नमूनों के भौतिक और रासायनिक गुणों को निर्धारित करने के लिए उन पर उन्नत इमेजिंग तकनीक लागू की। शोधकर्ताओं ने हवा में मौजूद माइक्रोप्लास्टिक में अलग-अलग प्रकार के नौ पॉलिमर और एक प्रकार के रबड़ की पहचान की, जिनका आकार 7.1 से 94.6 माइक्रोमीटर तक है। बादल के प्रत्येक लीटर पानी में प्लास्टिक के 6.7 से 13.9 टुकड़े पाए गए।

इसके अलावा 'हाइड्रोफिलिक' या जल-प्रेमी पॉलिमर भी प्रचुर मात्रा में थे। शोधकर्ताओं के अनुसार, इससे पता चलता है कि ये कण तेजी से बादल बनने की प्रक्रिया में एक बड़ी भूमिका निभाते हैं। इस प्रकार जलवायु प्रणालियों में उनका योगदान महत्वपूर्ण होता हैं। ओकोची ने कहा, जब माइक्रोप्लास्टिक ऊपरी वायुमंडल में पहुंचते हैं और सूरज की रोशनी से पराबैंगनी विकिरण के संपर्क में आते हैं,तब उनमें क्षय होने लगता है। इससे ग्रीनहाउस गैसों में वृद्धि होती है।

नए प्रमाणों ने माइक्रोप्लास्टिक को व्यापक पर्यावरणीय नुकसान के अलावा, हृदय और फेफड़ों के स्वास्थ्य तथा कैंसर से जोड़ा है। माइक्रोप्लास्टिक हाल के वर्षों में सुर्खियों में आए हैं, क्योंकि उनके अनुचित निपटान के परिणामस्वरूप कई टन कचरा समुद्र में पहुंच गया है। हर साल प्लास्टिक कचरे की बहुत बड़ी मात्रा का पुनर्चक्रण नहीं होता। इसका मतलब यह है कि वह समुद्री पारिस्थितिक तंत्र में मिल रहा है। कणों के अलग-अलग आकार के कारण वर्तमान जल प्रणालियां माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण को प्रभावी ढंग से फिल्टर करने में असमर्थ हैं। प्लास्टिक हजारों वर्षों तक नष्ट नहीं होता और अनुमान है कि महासागरों में पहले से ही प्लास्टिक की लाखों वस्तुएं मौजूद हैं। भविष्य में यह संख्या और भी बढ़ेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि प्लास्टिक के पुनर्चक्रण के लिए कठोर कदम नहीं उठाए गए तो दुनिया के महासागरों में प्लास्टिक कचरे की मात्रा 2050 तक मछलियों से अधिक हो जाएगी। एक अन्य शोध से पता चला कि दुनिया का 80 प्रतिशत से अधिक नल का पानी प्लास्टिक से दूषित है। अमेरिका के मिनेसोटा विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने पाया कि अमेरिका में पानी में प्लास्टिक प्रदूषण की दर 93 प्रतिशत है जो दुनिया में सबसे अधिक है। कुल मिलाकर दुनिया भर के दर्जनों देशों के 83 प्रतिशत पानी के नमूनों में माइक्रोप्लास्टिक पाया गया है। बोतलबंद पानी एक सुरक्षित विकल्प नहीं हो सकता है, क्योंकि विज्ञानियों को उसमें भी दूषित नमूने मिले हैं।

एक अन्य अध्ययन से पता चला कि मनुष्य के शरीर में भी प्रतिदिन विषाक्त माइक्रोप्लास्टिक कण पहुंच रहे हैं। इन कणों की मात्रा इतनी अधिक है कि सप्ताह भर में एक पूरे क्रेडिट कार्ड जितना माइक्रोप्लास्टिक सांस के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर रहा है। 'फिजिक्स ऑफ फ्लुइड्स' पत्रिका में प्रकाशित निष्कर्षों में चेतावनी दी गई है कि प्लास्टिक उत्पादों के क्षरण से उत्पन्न होने वाले सूक्ष्म कण हमारी श्वसन प्रणाली सहित संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। वैज्ञानिकों ने श्वसन प्रणाली के ऊपरी वायुमार्ग में माइक्रोप्लास्टिक कणों के परिवहन और जमाव का विश्लेषण करने के लिए एक कम्प्यूटर मॉडल विकसित किया था। इस दल में सिडनी के प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी शामिल थे।

माइक्रोप्लास्टिक कण दरअसल प्लास्टिक के सूक्ष्म कण होते हैं जो आमतौर पर 5 मिलीमीटर से कम लंबाई के होते हैं। ज्यादातर ये कण लंबी अवधि में बड़े प्लास्टिक उत्पादों के विखंडन से उत्पन्न होते हैं। अत्यंत सूक्ष्म कणों को माइक्रोबीड्स भी कहा जाता है जिन्हें सौंदर्य उत्पादों और टुथपेस्ट आदि में प्रयुक्त किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों से विज्ञानी लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि इन कणों से स्वास्थ्य पर कई तरह के प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकते हैं। इन कणों के बिस्फेनॉल और फेलेट्स जैसे रासायनिक घटक हार्मोनों को बाधित करने के लिए जाने जाते हैं। ये रसायन कैंसर, बांझपन और समय-पूर्व यौवन से जुड़े हुए हैं। हाल के अध्ययनों से यह भी पता चला है कि मानव वायुमार्ग की गहराई में मौजूद माइक्रोप्लास्टिक श्वसन प्रणाली के लिए गंभीर खतरे पैदा कर सकते हैं।

दुनिया में माइक्रोप्लास्टिक का उत्पादन बढ़ रहा है। हवा में माइक्रोप्लास्टिक का घनत्व काफी बढ़ रहा है। शोधकर्ताओं ने धीमे और तेज सांस लेने की स्थिति में 1.6 से 5.56 माइक्रोन के विभिन्न माइक्रोप्लास्टिक कणों के प्रवाह का पता लगाया। नए अध्ययन में पाया गया कि विषाक्त प्रदूषकों वाले ये प्लास्टिक कण नाक की गुहा या गले के पीछे इकट्ठा होते हैं। उनके जमा होने की दर सांस लेने की स्थिति और कणों के आकार पर निर्भर करती है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

ADMISSION OPEN
COMMERCE GURU
12th CLASS
REGULAR STUDENT
GET CLASS 11th SYLLABUS CLASSES for FREE
APPLY NOW

www.commerceguru.in @commerceguru
commerceguru2011@gmail.com
35,Gourav Path, Sundar Nagar,Bhilai
+91 9644454810
+91 8103338634

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

जिला पंचायत सीईओ ने फसल बीमा रथ को दिखाई हरी झंडी

बिलासपुर। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बिलासपुर अजय अग्रवाल ने रबी फसल बीमा रथ को हरी झंडी दिखाकर बिलासपुर जिला के चारों विकासखण्डों में प्रचार-प्रसार के लिए रवाना किया। इस कार्यक्रम में एसडीएम बिलासपुर सुभाष राज, उप संचालक कृषि पी. डी. हथेश्वर, बीमा कम्पनी के जिला प्रभारी अवनिन्द्र सिंह, तहसीलदार अतुल वैष्णव, कृषि विभाग एवं बीमा कम्पनी के अधिकारी/कर्मचारी तथा किसान उपस्थित थे। उपस्थित किसानों को सुरक्षा हेतु प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत हेलमेट प्रदाय किया गया। फसल बीमा योजना मौसम रबी वर्ष 2023-24 योजना के क्रियान्वयन हेतु फसल बीमा कराने की अंतिम तिथ 31 दिसंबर निर्धारित की गई है। योजना में गेहूं सिंचित एवं असिंचित, चना, अलसी, सरसों इत्यादि फसलों को शामिल किया गया है।

नेशनल लोक अदालत सम्पन्न

दंतेवाड़ा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नालसा, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार आज दिनांक 16 दिसंबर 2023 को शनिवार के दिन जिला एवं सत्र न्यायालय दंतेवाड़ा, के अलावा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुकमा, बीजापुर के व्यवहार न्यायालय में तथा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी बचेली के साथ-साथ तीनों राजस्व जिला- दंतेवाड़ा, सुकमा एवं बीजापुर के न्यायालयों में एक साथ नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश विजय कुमार होता, के निर्देशानुसार इस लोक अदालत के लिए कुल 11 खंडपीठ का गठन किया गया था। सभी न्यायालयों में प्री-लिटिगेशन के मामले जैसे- बैंक, विधुत, नल जल, बीएसएनएल एवं राजस्व न्यायालयों के मामलों को मिलाकर कुल- 7260 प्रकरण रखे गये थे जिनमें से कुल- 5313 मामले निराकृत हुए जिसमें प्री-लिटिगेशन के कुल-17,02,044 रुपये राशि का अवार्ड पारित किया गया। इसी प्रकार सभी माननीय न्यायालयों में लंबित नियमित मामले कुल 1446 रखे गये थे जिनमें से कुल-1250 मामलों का निराकरण करते हुए कुल 1,96,21,597 रुपये राशि का एवार्ड पारित किया गया। इस लोक अदालत में 8706 प्रकरण रखे गये थे जिसमें से कुल-6563 प्रकरणों का निराकरण करते हुए कुल 2,13,23,641 रूपये का अवार्ड पारित किया गया ।

विकसित भारत संकल्प शिविर में उमड़ रही हितग्राहियों की भीड़

पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंतिम व्यक्ति तक का संवर रहा जीवन : अमर अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। केंद्र सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगो तक पहुंचाने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरुआत की गई है। योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की कड़ी में आज दूसरे दिन बिलासपुर शहर में दो अलग-अलग स्थानों में शिविर का आयोजन किया गया।

पहला शिविर सुबह नौ बजे से एक बजे तक आदिवासी छात्रावास जरहाभाटा और दूसरा शिविर शासकीय बहुउद्देशीय स्कूल दयालबंद में आयोजित किया गया। इसमें 5,047 नागरिक शिविर में पहुंचे। इस दौरान केंद्रीय योजनाओं की जानकारी नागरिकों ने लिया और योजनाओं का लाभ उठाया। तखतपुर ब्लाक के ग्राम खरकेना और बिल्हा ब्लाक के ग्राम मानिकपुर एवं धूमा में भी विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत शिविर आयोजित किया गया जिसमें हजारों ग्रामीण लाभान्वित हुए।

संकल्प शिविर को लेकर बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब पहली बार प्रधानमंत्री बने थे तब कहा था की मेरी सरकार देश के गरीबों को समर्पित होगी और इस बात को उन्होंने साकार किया है। आज देश के करोड़ो गरीब परिवारों के पास आवास है, उज्जवला योजना के ज़रिए महिलाओं को गैस देकर उन्हें धुएं से मुक्ति दिलाया है। कोरोना काल में नुकसान उठाने वाले स्ट्रीट वेंडरों को पीएम स्वनिधि के ज़रिए फिर से ऊपर उठाया जा रहा है। आयुष्मान योजना से करोड़ों लोगों को मुफ्त में इलाज चल रहा है। शौचालय बनवाकर स्वच्छता का दीप तो जलाया ही साथ में महिलाओं के सम्मान और स्वाभिमान को भी सुरक्षित किया गया है। मोदी सरकार ने अंतिम व्यक्ति तक की चिंता की है, जिससे उनके जीवन में बदलाव आया है, हर वर्ग का जीवन संवर रहा है। उन्होंने शिविर में लगे स्टाल का निरीक्षण किया और हितग्राहियों से चर्चा भी।

उज्जवला योजना के तहत गैस कनेक्शन

उज्जवला योजना के तहत गैस कनेक्शन पाने वाली ओम नगर की गायत्री मनहर और नारियल कोठी की पूनम यादव ने बताया कि पहले वे चूल्हे में खाना बनाती थीं, जिससे निकलने वाले धुएं से उन्हे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझना पड़ता था। शिविर में आकर समस्त दस्तावेज जमा करने पर उन्हें तुरंत उज्जवला गैस का कनेक्शन मिल गया। अब उन्हें खाना बनाने में आसानी होगी। शिविर में पात्र हितग्राही सुरेश सोनवानी, रुखमड़ी यादव, रविंद्र गढ़ेवाल और प्रकाश सोनवानी को पीएम आवास योजना के तहत आवास का तोहफा मिला।

निफ्टेम टीम ने जशपुर स्कूल में फूड टेक जागरूकता के लिए बच्चों को किया प्रेरित

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। एक अभूतपूर्व सहयोग में, निफ्टेम और स्वामी आत्मानंद स्कूल जशपुर में खाद्य तकनीक शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए एकजुट हुए। प्रोफेसर प्रसन्ना कुमार के नेतृत्व में, नौ गतिशील छात्रों की एक टीम ने कक्षा की सीमाओं को पार करते हुए एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया। यह कार्यक्रम डॉ प्रसन्ना कुमार, प्राचार्य विनोद गुप्ता और समर्थ जैन की उपस्थिति मे सम्पन्न हुआ। यह खाद्य प्रसंस्करण, उद्यमिता और स्वच्छ भारत अभियान में शिक्षा में क्रांति लाने वाले दूरदर्शी दिमाग का प्रतीक है।

निफ्टेम के छात्रों ने पोषण, खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और स्वच्छता पर अंतर्दृष्टि साझा की। छात्रों से स्वच्छ भारत अभियान, चंद्रयान और सामान्य स्वास्थ्य सहित विभिन्न विषयों पर प्रश्नोत्तरी की गई। बच्चों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, ज्ञान प्राप्त किया और स्वच्छ एवं स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया। प्राचार्य गुप्ता ने समग्र विकास में ग्राम गोद लेने के कार्यक्रम की भूमिका पर जोर देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बेहतर कल के लिए उनके योगदान के सामाजिक प्रभाव पर जोर देते हुए छात्रों को खाद्य और कृषि क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। खाद्य उद्योग वीएपी सामाजिक परिवर्तन, विकास को बढ़ावा देने और क्रांति लाने के लिए भावुक पीढ़ी का पोषण करने के लिए निफ्टेम की प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में खड़ा है।

कोरिया में पहुंची मोदी की गारंटी वाली गाड़ी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया । देशभर में चलाई जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत जिले के ग्राम पंचायत जगतपुर में मोदी की गारंटी वाली गाड़ी के पहुंचने पर ग्रामीणों ने आईईसी वैन का भव्य स्वागत किया। जिसके पश्चात सभी ने वैन में लगी एलईडी के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उद्बोधन सुना। आयोजन में लगे विभिन्न कैंप के माध्यम से शासन की योजनाओं की जानकारी भी लोगों तक पहुंचाई गई।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग, पशुधन विकास, प्रधानमंत्री पोषण, राजस्व विभाग, कृषि विकास विभाग तथा ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी गई और जरूरतमंद लोगों के आवेदन फार्म भरवाए गए। इसी कड़ी में आयुष्मान भारत के तहत हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया तथा मेरी कहानी मेरी जुबानी अंतर्गत महतारी वंदन योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री किसान निधि योजना के हितग्राहियों ने अपना सुगम अनुभव सभी के साथ साझा किया। इसके साथ ही 'धरती करे पुकार' कार्यक्रम के अंतर्गत नाटक के माध्यम से जैविक खाद के लाभ के बारे में आम लोगों को जागरूक किया गया तथा रासायनिक खाद से होने वाली हानि से सभी को अवगत कराया गया। इस आयोजन में उपस्थित सभी को 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने हेतु संकल्प दिलाई गई। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती वंदना राजवाड़े, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत राधे श्याम मिरझा सहित ग्रामीणजन व अधिकारी - कर्मचारी उपस्थित रहे।

राज्य में परख परीक्षा से छात्रों के भाषा-गणित ज्ञान का आंकलन

तीसरी-छठीं और नौवी कक्षा 8664 स्कूलों के 2,38,630 विद्यार्थी हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता को जानने के लिए केंद्र शासन (एनसीईआरटी) के निर्देश पर स्कूल शिक्षा विभाग (एससीईआरटी रायपुर) द्वारा पिछले दिनों राज्य भर में शैक्षिक उपलब्धि सर्वेक्षण किया गया। एससीईआरटी द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-24 में पहली बार ब्लॉक स्तर के स्कूलों को राज्य शिक्षा उपलब्धि सर्वे में किया था।

सर्वेक्षण में क्या- इस सर्वेक्षण के तहत तीसरी कक्षा के छात्रों का बुनियादी साक्षरता, अंकगणित, छठी के छात्रों का भाषा, गणित, पर्यावरण शिक्षा और नौवीं के छात्रों का भाषा, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में ज्ञान को जांचा गया। यह सर्वेक्षण प्रश्नावली के माध्यम से किया गया। इस सर्वेक्षण को डीएलएड प्रशिक्षुओं और बीएड प्रशिक्षुओं की सहायता से आयोजित किया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के तहत परख परीक्षा का आयोजन किया गया। यह एनसीईआरटी के संगठन परख क्क्र॥ (परफॉर्मेंस असेसमेंट, रिव्यू एंड एनालिसिस ऑफ नॉलेज फॉर होलिस्टिक डेवलपमेंट) द्वारा आयोजित पहला सर्वेक्षण था। इस सर्वेक्षण के जरिये तीसरी और छठीं कक्षा के छात्रों में भाषा और गणित की बुनियादी समझ को परखा जा रहा है। साथ ही नौवीं कक्षा के छात्रों की परीक्षा से पता चलेगा कि वे अपनी कक्षा में कितना सीख पा रहे हैं। परीक्षा रिपोर्ट के आधार पर भविष्य में स्कूली शिक्षा में जरूरी बदलाव पर फोकस किया जाएगा। क्योंकि इसके माध्यम से पता चलेगा कि छात्रों में उनकी उम्र और कक्षा के आधार पर कितनी समझ विकसित हो पा रही है। इस सर्वेक्षण के दौरान उनकी कक्षा से लेकर पूर्व की कक्षाओं तक में दी गई शिक्षा के बारे में प्रश्न पूछे गये। परख परीक्षा शिक्षा मंत्रालय के राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण से मिलती-जुलती है। हालांकि उसमें विषय अधिक होते हैं।

सर्वेक्षण कब हुआ - भारत शासन के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के दिशा-निर्देश पर सभी राज्यों में तीसरी, छठीं और नौवी कक्षा के छात्रों के भाषा एवं गणित ज्ञान का पता लगाने के लिए परीक्षा का आयोजन 3 नवंबर को किया जाना था, किन्तु छत्तीसगढ़ में आदर्श आचार संहिता (स्ब्ष्ट) लागू होने के कारण तथा शिक्षकों की चुनाव ड्यूटी होने के कारण छत्तीसगढ़ में चुनाव पश्चात 13 दिसंबर, 2023 को यह सर्वेक्षण किया गया।

छत्तीसगढ़ में कितने विद्यार्थियों का सर्वेक्षण हुआ - इस परख सर्वेक्षण में में देशभर के 4.8 लाख से अधिक सरकारी और निजी स्कूलों के 1,12,72,836 छात्रों ने पंजीकरण कराया था। इसी तरह छत्तीसगढ़ के 8664 केंद्रीय, शासकीय, अनुदान प्राप्त तथा निजी विद्यालयों के 2,38,630 छात्रों का सर्वेक्षण किया गया।

कांकेर में विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत रविवार को जिले के नरहरपुर विकासखंड के ग्राम डुमरपानी में कांकेर विधायक आशाराम नेताम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसके तहत पहुंची आईईसी मोबाईल वैन के माध्यम से ग्रामीणों को केंद्र सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला, पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल एवं जिला पंचायत सीईओ सुमित कुमार अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधिगण और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक नेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य है कि देश के हर व्यक्ति तक केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचे। उन्होंने लोगों से कहा कि आप सभी शासन की योजनाओं का लाभ उठायें और दूसरों को भी जानकारी दें। इन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए आम जनता का जागरूक एवं शिक्षित होना बहुत जरूरी है। इसलिए आप सभी अपने बच्चों को शिक्षित अवश्य करें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नेताम द्वारा आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना सहित विभिन्न योजनाओं के लगभग 23 लाभार्थियों को सामग्रियों का वितरण भी किया गया।

लघु नाटिका 'धरती कहे पुकार के' की प्रस्तुति दी गई। साथ ही शासन की योजनाओं पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम स्थल में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित गोद भराई रस्म में सभी अतिथियों द्वारा गर्भवती माताओं को पोषण आहार सामग्री दिया गया। इसके बाद मेरी कहानी मेरी जुबानी के माध्यम से केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों ने अपने अनुभव साझा किए और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जनहितकारी योजनाओं के लिए आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों को विकसित भारत के निर्माण के लिए संकल्प दिलाई गई। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्रीमती सुमित्रा मारकोले, ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती मीना मरकाम, श्रीमती शालिनी राजपुत, संजू गोपाल साहू, हीरा मरकाम सहित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

समाज के सभी वर्ग के लोगों को केंद्र की योजनाओं का मिलेगा लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। केंद्र सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने एवं इनसे लाभ लेने वाले हितग्राहियों से संवाद करने के उद्देश्य से आरंभ की गई विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से मोदी की गारंटी वाली गाड़ी देश के कोने कोने तक पहुंच रही है। इसी कड़ी में रविवार को शहरी क्षेत्र के वार्ड क्रमांक- 25 मुड़ापार और दुरपा के वार्ड क्रमांक- 54 सहित ग्रामीण क्षेत्र के मदनपुर, कुटेलामुड़ा,रामपुर-तानाखार में शिविर लगाया गया। शिविर में पीएम आवास, आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड, वन नेशन वन कार्ड, उज्ज्वला योजना, उजाला योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, आधार अपडेशन, सस्ती व अच्छी जेनेरिक दवाई आदि की जानकारी देने के साथ लाभ से वंचित हितग्राहियों से आवेदन लिए गए। इससे पूर्व संकल्प यात्रा के वाहन के पहुंचने पर स्वागत किया गया। शिविर में पहुंची अनुप्रिया, मनोहर राव ने बताया कि वे पीएम आवास के लिए आवेदन करने आए हैं, यहां अन्य योजनाओं की जानकारी मिली है। खाद्य विभाग अंतर्गत प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना अंतर्गत 134 नए कनेक्शन और 28 का केवाईसी आवेदन लिया गया है। इस अभियान को लेकर पूरे देश में उत्साह नजर आ रहा है। इस यात्रा का उद्देश्य समाज के सभी वर्ग के लोगों को लाभ पहुंचाना है। गौरतलब है कि प्रदेश के सभी जिलों में विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं से हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने एवं जानकारी देने के लिए विभागों द्वारा स्टाल लगाया गया। जहां पर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिया गया एवं जरूरतमंद लोगों को आवेदन फार्म भरवाए गए। शिविर स्थल पर स्थानीय जनप्रतिनिधि और पार्षदगण तथा अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहें।

ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

राज्य में परख परीक्षा से छात्रों के भाषा-गणित ज्ञान का आंकलन

रायपुर। नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता को जानने के लिए केंद्र शासन (एनसीईआरटी) के निर्देश पर स्कूल शिक्षा विभाग (एससीईआरटी रायपुर) द्वारा पिछले दिनों राज्य भर में शैक्षिक उपलब्धि सर्वेक्षण किया गया। एससीईआरटी द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-24 में पहली बार ब्लॉक स्तर के स्कूलों को राज्य शिक्षा उपलब्धि सर्वे में शामिल किया था। इस सर्वेक्षण के तहत तीसरी कक्षा के छात्रों का बुनियादी साक्षरता, अंकगणित, छठी के छात्रों का भाषा, गणित, पर्यावरण शिक्षा और नौवीं के छात्रों का भाषा, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में ज्ञान को जांचा गया। यह सर्वेक्षण प्रश्नावली के माध्यम से किया गया। इस सर्वेक्षण को डीएलएड प्रशिक्षुओं और बीएड प्रशिक्षुओं की सहायता से आयोजित किया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के तहत परख परीक्षा का आयोजन किया गया। यह एनसीईआरटी के संगठन परख परफॉर्मेंस असेसमेंट, रिव्यू एंड एनालिसिस ऑफ नॉलेज फॉर होलिस्टिक डेवलपमेंट द्वारा आयोजित पहला सर्वेक्षण था।

इस सर्वेक्षण के जरिये तीसरी और छठीं कक्षा के छात्रों में भाषा और गणित की बुनियादी समझ को परखा जा रहा है। साथ ही नौंवी कक्षा के छात्रों की परीक्षा से पता चलेगा कि वे अपनी कक्षा में कितना सीख पा रहे हैं। परीक्षा रिपोर्ट के आधार पर भविष्य में स्कूली शिक्षा में जरूरी बदलाव पर फोकस किया जाएगा। क्योंकि इसके माध्यम से पता चलेगा कि छात्रों में उनकी उम्र और कक्षा के आधार पर कितनी समझ विकसित हो पा रही है। इस सर्वेक्षण के दौरान उनकी कक्षा से लेकर पूर्व की कक्षाओं तक में दी गई शिक्षा के बारे में प्रश्न पूछे गये। परख परीक्षा शिक्षा मंत्रालय के राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण से मिलती-जुलती है। हालांकि उसमें विषय अधिक होते हैं।

मुख्यमंत्री ने बाबा गुरू घासीदास जयंती पर दी शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सतनाम पंथ के प्रवर्तक बाबा गुरू घासीदास की 18 दिसम्बर को जयंती के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। श्री साय ने कहा है कि बाबा गुरू घासीदास जी ने अपने उपदेशों के माध्यम से दुनिया को सत्य, अहिंसा और सामाजिक सद्भावना का मार्ग दिखाया। उन्होंने 'मनखे-मनखे एक समान' के प्रेरक वाक्य के साथ यह संदेश दिया कि सभी मनुष्य एक समान है। उन्होंने शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ सामाजिक समरसता और सबके उत्थान की दिशा में काम किया। श्री साय ने कहा कि बाबा गुरू घासीदास जी ने लोगों को मानवीय गुणों के विकास का रास्ता दिखाया और नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना की। उनका जीवन दर्शन और विचार मूल्य पूरी मानव जाति के लिए कल्याणकारी है और अनुकरणीय है।

संत बाबा गुरू घासीदास जयंती पर राज्यपाल ने दी शुभकामनाएं

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने संत बाबा गुरू घासीदास की जयंती पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल हरिचंदन ने कहा कि महान संत बाबा गुरू घासीदास ने सामाजिक, आर्थिक, शोषण तथा जातिवाद, सामंतियों के अन्याय और अत्याचार के विरूद्ध आवाज उठाकर मनखे मनखे एक समान है का संदेश दिया। श्री हरिचंदन ने कहा कि समाज को एकता के सूत्र में पिरोने वाले बाबा गुरू घासीदास शांति, सामाजिक समरसता के प्रतीक हैं। समाज को नई दिशा प्रदान करने में उनका अतुलनीय योगदान है। उनके उपदेश आज भी प्रासंगिक हैं।

हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी का सातवां दीक्षांत समारोह

बीएएलएलबी ऑनर्स के 150 व एलएलएम प्रोग्राम के 90 छात्रों को दी गई डिग्री, 4 को पीएचडी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एचएनएलयू) रायपुर का सातवां दीक्षांत समारोह रविवार को नवा रायपुर में उच्चतम न्यायालय एवं हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के कुलाध्यक्ष न्यायमूर्ति अनिरूद्ध बोस के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। इस अवसर पर उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा विशिष्ट के रूप में शामिल हुए। अतिथियों द्वारा दीक्षांत समारोह में बीएएलएलबी ऑनर्स के 150 छात्रों को तथा एलएलएम प्रोग्राम के 90 छात्रों ने डिग्री दी गई। इसी प्रकार 4 पीएचडी स्कॉलर्स को डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की डिग्री प्रदान की गई। दीक्षांत समारोह में 12 स्नातक तथा 2 स्नातकोत्तर छात्रों को उनकी अद्वितीय अकादमिक उपलब्धियों हेतु 36 स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

एलएलएम डिग्री प्राप्तकर्ताओं में प्रियेश पाठक, जिनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता और दृढ़ संकल्प का साधुवाद करते हुए छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और कुलाधिपति न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने मंच से नीचे उतरकर प्रियेश को डिग्री प्रदान की। विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह में एचएनएलयू जर्नल ऑफ लॉ एंड सोशल साइंसेज, वॉल्यूम IX तथा एचएनएलयू गजेट का मंच पर आसीन गणमान्यों द्वारा विमोचन किया गया। समारोह का समापन राष्ट्रगान की प्रस्तुति और उसके बाद रिवर्स अकादमिक प्रोसेशन के साथ हुआ। कुलपति प्रो. वी सी विवेकानंदन ने सभा में उपस्थित सभी आगंतुकों का स्वागत किया और वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत किया जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न उपलब्धियों एवं आगामी योजनाओं पर विशेष प्रकाश डाला गया। पूरे दीक्षांत समारोह को एचएनएलयू यूट्यूब चौनल पर लाइव स्ट्रीम किया गया, जिससे अधिक संख्या में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जा सकी।

यह समारोह विश्वविद्यालय के वैधानिक समितियों के सदस्यों, वाईस-चांसलर तथा डीन्स द्वारा अकादमिक प्रोसेशन के साथ आरम्भ हुआ। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं एचएनएलयू के कुलपति न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने कार्यक्रम में छात्रों को डिग्री प्रदान की। कार्यक्रम में न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल, न्यायाधीश उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़, न्यायमूर्ति पी. सैम कोशी, न्यायाधीश उच्च न्यायालय तेलंगाना, न्यायमूर्ति जी. रघुराम पूर्व निदेशक राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी भोपाल उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस ने समारोह के दीक्षांत सम्बोधन में विधि कानूनी शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे नए बदलाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने विधि क्षेत्र में महिलाओं तथा छात्राओं ही बढ़ती सहभागिता तथा प्रभाव पर खुशी जाहिर की। उन्होंने विभिन्न कैरियर अवसर जैसे जुडिशरी शिक्षण, रिसर्च या किसी लॉ फर्म आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विधि क्षेत्र में सफलता का एक मात्र सूत्र परिश्रम है। उन्होंने डिग्री अर्जित करने वाले स्टूडेंट्स को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

दीक्षांत कार्यक्रम में विशिष्ट शिक्षाविद विशेषकर प्रो. डॉ. रणबीर सिंह, प्रो-चान्सलर, आईआईएलएम विश्वविद्यालय, प्रो. डॉ. आर. वेंकटा राव, निदेशक, इंडिया इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ लीगल एजुकेशन एंड रिसर्च, गोवा, प्रो. डॉ. परमजीत जसवाल, कुलपति, एसआरएम यूनिवर्सिटी, सोनीपत, प्रो. डॉ. विजेंद्र कुमार, कुलपति, एमएनएलयू, नागपुर, प्रो. डॉ. निष्ठा जसवाल, कुलपति, एचपीएनएलयू शिमला, प्रो. डॉ. एस. शांताकुमार, निदेशक, जीएनएलयू, गांधीनगर भी इस समारोह में शामिल हुए।

सेवा और आदर्श के स्वरूप हैं भगवान हनुमानः मैथिलीशरण महाराज

रायपुर। स्वामी मैथिलीशरण महाराज ने रविवार को कहा कि भगवान के आदर्श भरत हैं, सेवा के आदर्श लक्ष्मण हैं जबकि सेवा व आदर्श दोनों का स्वरूप हनुमान जी हैं। भगवान श्रीराम ने इन्हीं तीनों पर केंद्रित हो कर रामराज्य की स्थापना और संचालन किया। भरत का चरित्र आज लोगों के लिए प्रेरक है। लोगों के जीवन में सुख-शांति के लिए भरत का त्याग, भाई के प्रति प्रेम और समर्पण जरूरी है।

समता कॉलोनी स्थित महाराजा अग्रसेन कॉलेज ऑडिटोरियम में सोमवार से स्वामी मैथिलीशरण भरत चरित्र के पद 'सुगम अगम मृदु मंजु कठोरे, अरथु अमित अति आखर थोरे' की व्याख्या करेंगे। महाराज ने कहा कि नरेंद्र मोदी से पहले कई राजनेताओं ने देश की कमान संभाली लेकिन मंदिर बनने में आ रही अड़चनों का निपटारा मोदी के प्रधानमंत्री बनने पर ही हुआ। इसका साफ अर्थ है कि भगवान राम यह श्रेष्ठ कार्य उन्हीं के हाथों कराना चाहते थे।

51 कुण्ड गायत्री महायज्ञ में हुआ निःशुल्क संस्कार

युवा संगोष्ठी में युवाओं का उमड़ा जनसैलाब

रायपुर। गायत्री प्रज्ञा पीठ संतोषी नगर रायपुर एवं रायपुर महानगर के गायत्री परिजनों के सहयोग से 15 से 18 दिसम्बर तक दशहरा मैदान, छत्तीसगढ़ नगर, टिकरापारा में आयोजित हो रहे 51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ में तीसरे दिन रविवार को प्रातः 06 बजे प्रज्ञा योग व ध्यान करवाया गया। इसके पश्चात 8:30 बजे से महायज्ञ प्रारंभ होते ही वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आहुतियों का क्रम दोपहर 1 बजे तक अलग अलग पारियों में निरंतर चलता रहा। कार्यक्रम संयोजक रामकृष्ण साहू एवं जिला समन्वयक लच्छूराम निषाद एवं प्रदीप साहू ने संयुक्त रूप से बताया कि हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने यज्ञ में भक्तिभाव के साथ आहुतियां समर्पित की।

शांतिकुंज हरिद्वार से आई टोली के द्वारा देवमंच से अनेक लोगों का निःशुल्क संस्कार करवाया गया। संस्कार प्रक्रिया में 100 लोगों का गुरुदीक्षा, 20 गर्भवती महिलाओं का पुंसवन, 5 शिशुओं के नामकरण, 8 बच्चो का अन्नप्राशन, 8 बच्चो का मुंडन, 60 बच्चों का विद्यारम्भ, 05 युवाओं का यज्ञोपवीत एवं 10 लोगों का जन्मदिवस संस्कार करवाया गया। गायत्री परिवार डिवाइन इंडिया यूथ एसोसिएशन के छत्तीसगढ़ प्रदेश संयोजक डॉ. पीएल साव ने दोपहर को युवाओं की गोष्ठी में राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी पर चर्चा करते हुए उन्हें व्यसनों के दुष्प्रभावों के बारे में अवगत कराते हुए व्यसनों से दूर रहने संकल्पित कराया गया।

रायपुर निगम का सख्त निर्देश, तय जगह पर ही लगाए मांस-मछली की दुकानें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सरकार बदलते ही खुले में कहीं भी चिकन मटन व मछली बेचने वालों की शामत आ गई है। भिलाई के बाद अब राजधानी में भी निगम की सख्ती दिखने लगी है। रविवार को रायपुर निगम की टीम ने दर्जनों जगह से खुले में मांस-मछली बेचने वालों पर कार्रवाई की और उनकी दुकानों को हटाया। इस दौरान दुकानदारों में हड़कंप मच गया। यहीं नहीं निगम प्रशासन ने सख्त चेतवनी भी दी है। निगम स्पष्ट किया है कि मांस-मछली की दुकानें निगम द्वारा तय जगहों पर ही लगाए जाएं।

रायपुर नगर निगम के कार्रवाई के बाद जारी बयान में कहा है कि सोमवार से निर्धारित जगह के अलावा कहीं भी मांस-मटन की बिक्री करने वालों पर निगम प्रशासन कार्रवाई होगी। इसके साथ ही सोमवार व मंगलवार को चिकन-मटन शॉप बंद रखने का भी निर्देश दिया गया। रायपुर नगर निगम ने चिकन-मटन बिक्री करने वाले लोगों को चेतावनी दी है कि चिकन-मटन को ढंककर रखा जाए, अगर ऐसा नहीं किया गया तो एक्शन लिया जाएगा। निगम प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि लगातार शिकायत मिल रही है कि मांस-मटन का विक्रय कहीं भी किया जा रहा है।

आसपास फैलती है गंदगी

निगम के अधिकारियों ने कहा है कि खुले में कहीं भी चिकन मटन की दुकान लगाने के कारण आसपास के क्षेत्र में गंदगी फैल जाती है। मांस-मटन बेचने के लिए शहर के अलग-अलग इलाकों में जगह निर्धारित की गई है। निर्धारित जगह के अलावा कहीं भी इसे बेचते पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। इधर नगर निगम की इस तरह की कार्रवाई से चिकन-मटन का व्यवसाय करने वालों में आक्रोश है। लोग इस कार्रवाई को गलत बता रहे हैं वहीं निगम ने साफकर दिया है कि तय जगहों पर ही चिकन व मटन की दुकानें लगाई जाए।

छत्तीसगढ़ में ठंड ने पकड़ी रफ्तार, 21 दिसंबर तक गिरेगा तापमान, अंबिकापुर सबसे सर्द

उत्तरी छत्तीसगढ़ सर्वाधिक ठंड की चपेट में, अंबिकापुर में सबसे कम दर्ज किया गया तापमान

रायपुर। राजधानी सहित पूरे छत्तीसगढ़ में ठंड लगातार बढ़ती जा रही है। अंबिकापुर सहित उत्तरी छत्तीसगढ़ इन दिनों सर्वाधिक ठंड की चपेट में है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार अगले तीन दिनों तक न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है। वहीं, गिरावट का यह दौर 21 दिसंबर तक जारी रहेगा, जबकि इसके बाद अगले पांच दिनों तक तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने के आसार नहीं हैं।

इस बीच सोमवार को राजधानी का मौसम साफ रहने की संभावना है। वहीं, अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस, जबकि न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस के करीब रहने के आसार हैं। विवार को राजधानी सहित प्रदेशभर में मौसम साफ रहा और प्रदेश में सर्वाधिक

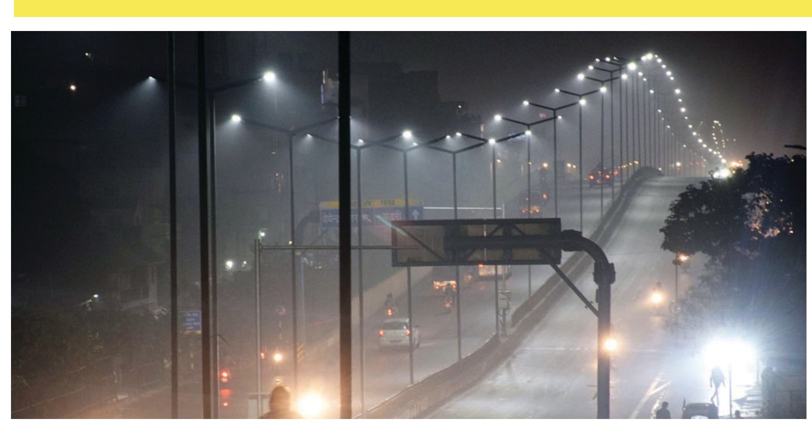

तापमान 28.7 डिग्री सेल्सियस तिल्दा और न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 6.3 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके अलावा पेंड्रा रोड में 9.6, दुर्ग में 10.6, राजनांदगांव में 11.5 और बिलासपुर 12.6 डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

नमी कम होते ही गिरेगा तापमान

मौसम विज्ञानियों के अनुसार एक पश्चिमी विक्षोभ, चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण द्रोणिका के रूप में जम्मू-कश्मीर के ऊपर स्थित है। इसका अक्ष मध्य क्षोभमंडल में 5.8 किलोमीटर पर 74 डिग्री पूर्व और 32 डिग्री उत्तर में स्थित है। पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव कम होने कारण, वातावरण में नमी की मात्रा घटने की प्रबल संभावना है, जिसकी वजह से न्यूनतम तापमान में गिरावट का दौर प्रारंभ होने संभावना है। इस अवधि में न्युनतम तापमान में लगभग दो से तीन डिग्री के आसपास गिरावट हो सकती है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले तीस वर्षों के औसत तापमान से न्यनूतम और अधिकतम तापमान दोनों में ही अंतर देखने को मिल रहा है। अधिकतम तापमान कुछ जगहों पर जहां चार डिग्री सेल्सियस तक अधिक है, वहीं न्यूनतम तापमान तीन डिग्री सेल्सियस तक कम चल रहा है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

डायबिटीज के मरीज डार्क चॉकलेट खा सकते हैं?

नया साल आने में कुछ दिन ही बाकी है। उससे पहले क्रिसमस पार्टी में चॉकलेट खाना तो लाजमी है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या डायबिटीज के मरीज डार्क चॉकलेट खा सकते हैं? दूध से बने चॉकलेट से परहेज करना चाहिए? आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अधिकतर चॉकलेट दूध से बनाएं जाते हैं साथ ही उसमें भरपूर मात्रा में चीनी होती है। चीनी इसलिए मिलाई जाती है ताकी उसमें कोको की कड़वाहट छीप जाए। जिसके कारण इसमें भरपूर मात्रा में फैट और कैलोरी होते हैं। इसलिए चॉकलेट में चीनी और कौलोरी दोनों बढ़ जाती है। जिसे खाने के बाद लाजमी है कि वजन बढ़ सकता है। साथ ही साथ कोलेस्ट्रॉल भी बढ़ जाती है।

डायबिटीज के मरीज को डार्क चॉकलेट खाना चाहिए?

कई लोग तर्क देते हैं कि डार्क चॉकलेट मधुमेह वाले लोगों के लिए सेफ होती है क्योंकि उनमें चीनी की मात्रा कम होती है। क्योंकि उनमें 70 प्रतिशत कोको होता है। लेकिन फिर भी इसमें चीनी मिलाई जाती है। इसलिए सावधान रहें। इसके अलावा इनमें पॉलीफेनोल्स होते हैं, जो एंटीऑक्सिडेंट के रूप में काम करते हैं और शोध में दिखाया गया है कि यह ब्लड में शुगर लेवल को कंट्रोल में रखता है। शरीर को अपने इंसुलिन का अधिक कुशलता से उपयोग करने में मदद करता है। लेकिन वे आपके रक्त शर्करा के स्तर को कम करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं और मधुमेह से पीड़ित लोगों के लिए मिठाई के

विकल्प के रूप में इसकी सिफारिश नहीं की जा सकती है। इसके अलावा प्रसंस्कृत डार्क चॉकलेट इन स्वास्थ्य लाभों को पूरी तरह खत्म कर देती है इसलिए बिना रूके डार्क चॉकलेट खा सकते हैं। अगर डार्क चॉकलेट खाना ही है तो लीमिट खाना चाहिए। एचबीएसी (तीन महीने के लिए औसत रक्त शर्करा गिनती) का स्तर सामान्य या 5.7 प्रतिशत से कम और सामान्य सीमा के भीतर है तो थोड़ी मात्रा में चॉकलेट खाने से आपके रक्त शर्करा के स्तर पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यदि आपका स्तर ऊंचा है तो दूर रहें।

चॉकलेट में भरपूर मात्रा में कैलोरी होती है। इसलिए चॉकलेट की कैलोरी की गणना करें और सुनिश्चित करें कि इसका भार दैनिक कैलोरी भत्ते से अधिक न हो। इसका मतलब है कि आपको उपचार के दिन अन्य कैलोरी स्रोतों को खत्म करना होगा। सुनिश्चित करें कि चॉकलेट का एक वर्ग एक संतुलित आहार से बेअसर हो जिसमें साबुत अनाज, फलियां, बीन्स, पत्तेदार सब्जियां और फल शामिल हों।

बिग बॉस 17: खानजादी ने कहा,मन्नारा ओवरएक्टिंग करती है

बिग बॉस 17 से बाहर हुई खानजादी ने अपनी सबसे नापसंद कंटेस्टेंट्स ऐश्वर्या शर्मा भट्ट और उनके पति नील भट्ट के बारे में बात की है। उन्होंने खुलासा किया कि शो में टॉप-5 में कौन जगह बनाएगा। अपने पसंदीदा टॉप 5 बिग बॉस कंटेस्टेंट्स खुलासा करते हुए, खानजादी ने साझा किया, मुनव्वर, अभिषेक, चिंटू, अंकिता जी, और मन्नारा घर के टॉप 5 हैं। समर्थ अभिषेक को पेल रहा है, इनका गेम बहुत कन्फ्यूजिंग है।

पहले वे दुश्मन थे और फिर वे दोस्त बन गए, वे एक साथ हंसने और खाने लगे और फिर वे अलग हो गए। हालांकि, उनका रिश्ता वास्तविक है।

खानजादी ने कहा कि ईशा मालविया अभी बहुत छोटी हैं लेकिन उनके फैसले बहुत मैच्योर हैं। वह अब भी अभिषेक को पसंद करती है। मन्नारा ओवरएक्टिंग करती हैं। वह दिल से अच्छी है और वह जो भी करती है वह अच्छा होता है लेकिन कभी-कभी वह चिड़चिड़ाहट भरी भी लगती है। मुझे यकीन है कि अगर हम बाहर मिलेंगे तो अच्छे दोस्त बन जायेंगे। इसके बाद उन्होंने कहा, विक्की और अंकिता दी ने मुझे इमोशनली संभाला है। विक्की एक बिजनेसमैन है, उसके लिए हर चीज एक इंवेस्टमेंट है। प्यार हो, दोस्ती हो, रिश्ता हो, उसके पास बिजनेस वाला दिमाग है। अंकिता इमोशनल हैं और मैं उन्हें बीबी हाउस की क्वीन कहती हूं। मैं उसे अपनी बहन मानती हूं, दिल से। मैं चम्मच, अंकिता दी केट की चम्मच, और विक्की छुरी है। हम हमेशा टेबल पर हैं एक साथ रहते हैं। वह घर में अपनी हालिया लड़ाई के बारे में भी बताती हैं, ऐश्वर्या की लड़ाई ऐसी लगती है जैसे कोई मछली बाजार में मछली बेच रहा हो। हाल ही में, उसने मुझे नल्ली कहा और चिल्लाती रही। मैं अंकिता के साथ थी, और मैंने उससे कहा, अपनी मछली यहां बेचना बंद करो। वो डिसर्व करती है घर के बाहर जाना। नील घर में आग लगाना चाहता है, लेकिन लगा नहीं पाता। खानजादी जियोसिनेमा पर बिग बज में किस्से साझा करती नजर आएंगी।

सर्दियों में क्यों बढ़ जाता है कान का इन्फेक्शन? डॉक्टर से जानें कारण और बचाव का तरीका

भारत के कई राज्यों में ठंड तेजी से बढ़ रही है। इस मौसम में स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ने लगती हैं। जिनसे हर उम्र के लोग परेशान हो जाते हैं। इस मौसम में कान से जुड़े संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है। कई लोगों के कान के अंदर और बाहर संक्रमण दिखता है। इस मौसम में बैक्टीरिया या वायरस से कान में सूजन भी हो सकती है। डॉक्टरों के अनुसार ठंड के मौसम में कान का संक्रमण होने के कारण कई मरीज इलाज के लिए आ रहे हैं।

सर्दियों से जुड़ी कई स्वास्थ्य समस्याओं के अलावा, हाल ही में सभी आयु समूहों में कान के संक्रमण के मामले बढे हैं। ठंड का मौसम बैक्टीरिया और वायरस को बढ़ने और आगे की समस्याएं पैदा करने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। आमतौर पर बैक्टीरिया या वायरस सूजन से होता है, जो कानों को नुकसान पहुंचा सकता हैं। कान की सूजन का एक कारण ठंड में कमजोर प्रतिरक्षा को माना जाता है।

एक्सपर्ट्स के अनुसार यदि

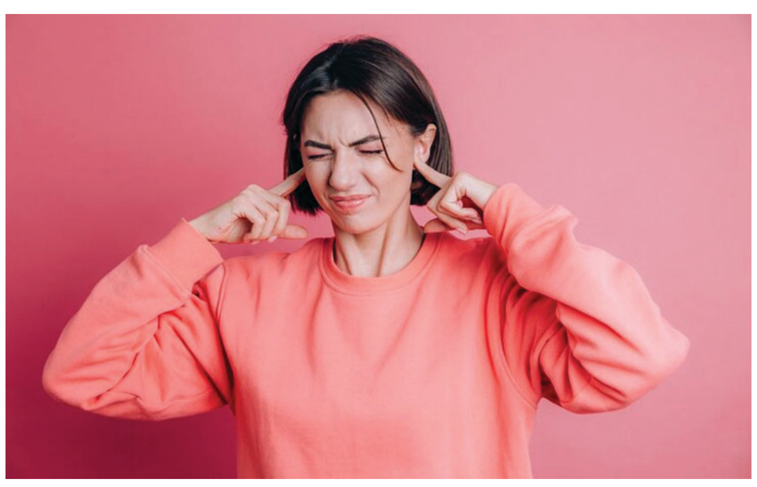

साइनसाइटिस का इलाज नहीं किया जाता है, तो ये कानों के लिए भी मुश्किलें पैदा कर सकता है, क्योंकि कान का संक्रमण नाक और गले के संक्रमण से जुड़ा होता है। सर्दियों के मौसम के दौरान, लोगों को कानों में अत्यधिक सूखापन और एलर्जिक राइनाइटिस के कारण कान में संक्रमण होता हैं। ठंड का मौसम भी कान में दर्द का कारण बनता है। ठंड के महीनों में रक्त संचार कम होने से कान में संक्रमण बढ़ सकता है। कान का संक्रमण कान में दर्द, चक्कर आना, सिरदर्द, कोमलता, सूजन, असामान्य स्राव और अस्थायी सुनवाई हानि यह कान में संक्रमण होने के लक्षण हैं। खुली जगह में ठंडी हवा के संपर्क में आने पर कान का दर्द गंभीर हो सकता है और इसके लिए जल्द से जल्द इलाज करना जरूरी है। कान में संक्रमण हो तो तुरंत कान की बूंदों का उपयोग करें और उपचार करने वाले डॉक्टर द्वारा सुझाए गए उपचार के तरीके का पालन करें। डॉक्टर की सलाह लेकर एंटीबायोटिक्स, एंटीहिस्टामाइन और दर्द निवारक दवाई का सेवन करें।

जरूरी सलाह

कान के दर्द को कम करने के लिए आइस पैक या गर्म सेक जैसे हीटिंग पैड या नम कपड़े का इस्तेमाल करें। कानों में पानी जमा होने न दे। टोपी, स्कार्फ पहनकर कानों को गर्म रखें। हवा से बचाने के लिए कानों में रुई का प्रयोग ना करें। ऐसा करने से कान की नलिका में सूजन आ सकती है। अपने हाथों को साबुन और पानी से धोकर कीटाणुओं को दूर रखने की कोशिश करें।

एनिमल ने 800 करोड़ क्लब में मारी धमाकेदार एंट्री

रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है। अब इस मूवी ने एक नया रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। बॉक्स ऑफिस पर रणबीर कपूर की एनिमल जबरदस्त कमाई कर रही है। हर दिन फिल्म नए रिकॉर्ड बना रही है और पिछली फिल्मों के रिकॉर्ड को तोड़ रही है। अब एनिमल ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है और साल की तीसरी बड़ी बड़ी फिल्म बन गई है। एनिमल ने 15वें दिन दुनियाभर में 796 करोड़ रुपये का बिजनेस कर लिया था। रणबीर कपूर की एनिमल 16वें दिन तक 817.36 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। इसके साथ ये रणबीर के करियर की हाईएस्ट ग्रोसिंग फिल्म बन गई है। शाहरुख खान की जवान और पठान के बाद रणबीर कपूर की एनिमल साल 2023 की तीसरी बड़ी फिल्म बन गई है जिसने 800 करोड़ के आंकड़े को पार किया है।

ईरानी मॉडल और डांसर हैं तन्नाज दावोदी एनिमल में जमाल कुडू गाने में दिखने वाली हसीना

जमाल कुडू गाने में जहां बॉबी देओल ने अपने अंदाज से खूब लाइमलाइट बंटोरी तो वहीं खूबसूरत सी स्माइल वाली इस लड़की के चर्चे भी खूब हो रहे हैं। चलिए बताते हैं ये लड़की कौन है और इस गाने ने कैसे उनकी जिंदगी बदलकर रख दी। एनिमल फिल्म ही नहीं बल्कि इसके गाने भी इस वक्त खूब चर्चा में हैं और सबसे ज्यादा सुर्खियों में छाया है बॉबी देओल की एंट्री वाला गाना 'जमाल कुडू'। गाना काफी यूनिक है और उससे भी यूनिक है बॉबी देओल का इसमें डांस। लेकिन इस गाने में को गाती हुई लड़की भी इस वक्त खूब लाइमलाइट में है। गाने जमाल कुडू से वायरल हुई इस लड़की का नाम है तन्नाज दावोदी। जो ईरान की मॉडल और एक डांसर हैं। महज 26 साल की तन्नाज यूं तो पहले भी कई गानों और सेलेब्स के साथ परफॉर्म करती दिख चुकी हैं लेकिन जमाल कुडू ने उन्हें रातों रात फेमस कर दिया है। अब हर जगह इनके चर्चे भी खूब हो रहे हैं। वरुण धवन, नोरा फतेही, जॉन अब्राहम से लेकर सनी लियोन तक के साथ तन्नाज ने स्टेज शेयर किया है वो अक्सर इनके साथ बैकग्राउंड डांसर के तौर पर नजर आई हैं। लेकिन एक गाने ने उनकी किस्मत ही बदलकर रख दी है। तन्नाज गाने में भी एक सिंगर के तौर पर दिख रही हैं जो जमाल कुडू गाना गा रही हैं। ये गाना एनिमल फिल्म में बॉबी देओल की तीसरी शादी के दौरान बजता है और ये ही एक्टर की एंट्री सीन है। वहीं जब से ये गाना यूट्यूब पर आया है तब से तन्नाज की फैन फोलोइंग भी काफी तेजी से बढ़ चुकी है। इंस्टाग्राम पर तेजी से तन्नाज दावोदी के फोलोअर्स बढ़े हैं। रिपोर्ट्स की माने तो एनिमल फिल्म का ये गाना रिलीज होने से पहले तन्नाज के मुश्किल से 10 हजार फोलोअर्स थे 2 हफ्तों के भीतर उनके इंस्टाग्राम फोलोअर्स की संख्या 2.6 लाख तक पहुंच गई है। इस एक गाने की बदौलत आज तन्नाज दावोदी जो अब तक खूब मेहनत करने के बावजूद गुमनामी में गुम थीं वो रातों रात किसी स्टार से कम नहीं रहीं। अब उन्हें जमाल कुडू गर्ल के नाम से जाना जा रहा है।

क्या खुबानी खाने के फायदे जानते हैं आप? रोज इतने खाए तो दूर रहेंगी कई बीमारियां!

खुबानी या एप्रीकॉट एक सुखा ड्राई फ्रूट्स होता है। इस ड्राईफ्रूट्स के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं लेकिन इसके फायदे गजब के होते हैं। इसमें विटामिन ए, बी, सी और ई प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। इसके अलावा पोटेशियम, मैग्नीशियम, कॉपर, फॉस्फोरस जैसे खनिज लवण तथा फाइबर भी खुबानी में मौजूद होते हैं। ये सभी पोषक तत्व हमारे शरीर के लिए बेहद लाभदायक होते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, सर्दियों में रोजाना पांच से छह खुबानी खाना काफी है। खुबानी की तासीर गर्म होता है। यह शरीर को अंदर से गर्म रखती है और सर्दी-जुकाम से बचाती है। सर्दियों में खुबानी खाने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और बीमारियों से लडने् में मदद मिलती है। आइए जातने हैं यहां खुबानी के फायदे।

आइए जानते हैं खुबानी कब खाना चाहिए

खुबानी के इतने सारे फायदे हैं कि अगर इस रोजाना अपनी डाइट में शामिल किया जाए तो आंखों की रोशनी से लेकर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से भी बचा जा सकत' है। रोजाना केवल 5-6 खुबानी खाना ही प्राप्त होती है। इसे खाली पेट या फिर नाश्ते के साथ लिया जा सकता है। दोनों समय इसे खाने के कई फायदे हैं।

हृदय रोगों के लिए फायदेमंद

खुबानी में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं जो हृदय स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। खुबानी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे विटामिन सी, विटामिन ई, बीटा कैरोटीन, लाइकोपीन आदि फ्री रेडिकल्स के प्रभाव को कम करते हैं जो हृदय रोगों का एक प्रमुख कारण हैं। इसके अलावा, खुबानी में उच्च मात्रा में फाइबर भी पाया जाता है। फाइबर एलडीएल यानि बुरे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है जो एथेरोस्क्लेरोसिस (धमनियों का संकरा होना) का एक प्रमुख कारक है।

डायबिटीज के लिए फायदेमंद

खुबानी मधुमेह या डायबिटीज जैसी बीमारियों से लडने् में बहुत प्रभावी है। इसका कारण यह है कि खुबानी का ग्लाइसेमिक इंडेक्स बहुत कम होता है। इसलिए यह डायबिटीज मरीज़ों को अपना ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रखने में मदद करता है। रोजाना खाने से इसके कई फायदे मिलते हैं।

पाचन के लिए फायदेमंद

खुबानी में फाइबर पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है। इसमें में कैलोरी कम और फाइबर ज्यादा होता है जो भूख कम करता है और वजन कम करने में भी मदद करता है।

कैंसर में फायदेमंद

खुबानी में पाए जाने वाले फाइटोकेमिकल्स कैंसरोगेनेसिस को रोकने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा, खुबानी में मौजूद विटामिन ए, सी और ई भी शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो फ्री रेडिकल्स से लड़कर कोशिकाओं की रक्षा करते हैं।

संतरा बनाम कीनू: यह है इनके बीच का अंतर और स्वास्थ्य लाभ

अक्सर कुछ लोग बाजार से संतरे की बजाय कीनू खरीद लेते हैं क्योंकि एक जैसे दिखने के कारण कभी-कभी दोनों में अंतर करना मुश्किल हो जाता है। संतरा और कीनू सर्दियों के दौरान खाए जाने वाले 2 अलग-अलग खट्टे फल हैं, जो स्वाद और पोषक तत्वों के मामले में भी एक-दूसरे से भिन्न होते हैं। आइए आज हम आपको इन फलों के बीच के अंतर और स्वास्थ्य संबंधी लाभों के बारे में बताते हैं।

कीनू और संतरे के बीच का मुख्य अंतर

कीनू संतरे से अधिक रसदार होता है और इसकी खेती ज्यादातर पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और हरियाणा में की जाती है। इसके अतिरिक्त अगर रंग की बात करें तो संतरे का रंग नारंगी, केसरिया और हरे तक हो सकता है, जबकि कीनू अक्सर गहरे नारंगी रंग का होता है। साथ ही संतरे का छिलका पतला और कीनू का छिलका मोटा होता है।

इन फलों का स्वाद और कीमत

ये फल दिखने में भले ही समान हों, लेकिन इन दोनों का स्वाद काफी अलग होता है। संतरे स्वाद में मीठे होते हैं, जबकि कीनू अधिक रसदार और खट्टे स्वाद वाले होते हैं। हालांकि, संतरे की तुलना में कीनू की उपज ज्यादा होती है, जिस कारण इनकी कीमत कम होती है। इसका मतलब है कि संतरा कीनू से अधिक महंगा होता है। यही नहीं, बाजारों में संतरे की तरह-तरह की किस्में भी मौजूद हैं, जिनके भाव अलग-अलग हैं।

दोनों फलों में मौजूद पोषक तत्व

कीनू विटामिन- सी, विटामिन-बी कॉम्प्लेक्स, सोडियम, पोटैशियम, कैल्शियम और कॉपर जैसे खनिजों से भरपूर होता है। कीनू में अन्य खट्टे फलों की तुलना में लगभग 2.5 गुना अधिक कैल्शियम होता है। संतरे में विटामिन- सी की अधिक मात्रा होती है। एक मध्यम आकार के संतरे में लगभग 70 मिलीग्राम विटामिन- सी होता है। इसके अलावा इसमें थायमिन, फोलेट और पोटैशियम भी होता है।

दोनों फलों में से किसका चयन करना चाहिए?

अब बारी आती है यह उलझन दूर करने की कि संतरे और कीनू में से किसका सेवन स्वास्थ्य के लिए ज्यादा बेहतर है। कीनू के कुछ पौष्टिक तत्व संतरे से थोड़े ज्यादा हैं, लेकिन कैलोरी के मामले में संतरा बेहतर है। इसलिए सीमित मात्रा में संतरे का सेवन स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। हालांकि, ऐसा नहीं है कि कीनू के सेवन से कोई नुकसान होता है, इसलिए इसे भी अपनी डाइट में शामिल करें।

नानी की फिल्म ने दसवें दिन भी किया धांसू कलेक्शन

नानी और मृणाल ठाकुर की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री धमाल मचा रही है। उनकी फिल्म हाय नन्ना 7 दिसंबर को थिएटर्स में रिलीज हुई थी और अब 10 दिन बाद भी बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाए हुए है। हाय नन्ना हर रोज करोड़ों का कारोबार कर रही है। लगभग 5 करोड़ से ओपनिंग करने वाली नानी की फिल्म ने 10 दिनों में 35 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है।

रिपोर्ट की मानें तो हाय नन्ना पिछले कुछ दिनों से 1 से 2.5 करोड़ तक का कारोबार कर रही थी। लेकिन दूसरे वीकेंड पर फिल्म की कमाई में बढ़ोतरी हुई है। फिल्म ने नवें दिन भी सिर्फ 1.2 करोड़ो रुपए का ही बिजनेस किया था और अब 10वें दिन का कलेक्शन सामने आ गया है। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने 10वें दिन 2.75 रुपए कमा लिए हैं और अब घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का टोटल कलेक्शन 35.83 करोड़ रुपए हो गया है।

शौरयुव के डायरेक्शन में बनी फिल्म हाय नन्ना बाप-बेटी के रिश्ते पर फोकस करती है। फिल्म में नानी ने विराज का किरदार निभाया है जो पेशे से एक फोटोग्राफर है। उसकी 6 साल की एक बेटी माही है जिसका किरदार चाइल्ड आर्टिलस्ट कियारा खन्ना ने निभाया है।

एक सिंगल फादर होकर भी विराज अपनी बेटी का काफी ख्याल रखते हैं। वहीं माही अपनी मां के बारे में जानना चाहती है। इस बीच यशना (मृणाल ठाकुर) की एंट्री होती है और सब बदल जाता है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

इ-ब्लू प्रायोजित लेट्स रन मैराथॉन द ग्रेट छतीसगढ़ रन का 8वां संस्करण का सफल आयोजन

रायपुर। लेट्स रन छत्तीसगढ़ के धावकों का एवं शारीरिक कुशलक्षेम से जुड़े जागरूक नागरिकों का सबसे बड़ा समूह हैं। लेट्स रन हर साल दिसंबर के माह में छत्तीसगढ़ में 'द ग्रेट छत्तीसगढ़ रन' का आयोजन गत कई वर्षों से करता आया हैं। यह आयोजन जिसमे इस साल जहाँ 4000 से ज़्यादा लोगों ने उत्साह से भाग लिया वहीँ हर साल की तरह इस आयोजन ने छत्तीसगढ़ का एक पहलू सभी के सामने ले कर आये। इस साल का आयोजन का मुख्य विषय राजकीय पक्षी 'पहाड़ी मैना' था जो कि आयोजन के हर पहलू मैं उजागर हुई। द ग्रेट छत्तीसगढ़ रन' छत्तीसगढ़ की एकमात्र आरएफआईडी टाइमर प्रमाणपत्र वाला आयोजन हैं। यह सीजी और मध्य भारत की पहली 42 किमी प्रमाणित दौड़ हैं। यह मध्य भारत की पहली दौड़ हैं जो कि इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफएथलेटिक फेडरेशन द्वारा एसोसिएशन ऑफइंटरनेशनल मैराथन एंड डिस्टेंस रेस द्वारा प्रमाणित है। रन डायरेक्टर डॉक्टर विनय तिवारी और सुनील अग्रवाल ने बताया कि लेट्स रन इस तरह के आयोजन के लिए हमेशा अग्रसर रहता हैं।

संकल्प शिविर को मिला लोगों का अच्छा प्रतिसाद

बिलासपुर। केन्द्र सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगो तक पहुंचाने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरूआत की गई है। योजनाओं को जन.जन तक पहुंचाने की कड़ी में बिलासपुर के मुंगेली नाका मैदान में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न योजनाओं के तहत हजारों लागो ने शिविर का फायदा लिया। इस शिविर में पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिया गया। शिविर में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत 179 आयुष्मान कार्ड के लिए 155 आधार कार्ड के लिए 56 प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के लिए 142 लोगो ने पंजीयन कराया। शिविर में 233 लोगो ने अपने स्वास्थ्य का परीक्षण कराया। विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित 19 हितग्राहियों ने मेरी कहानी मेरी जुबानी के तहत अपना अनुभव साझा किया।

निधन

तेज बहादुर सिंह

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के पूर्व कर्मी क्षत्रिय कल्याण सभा भिलाई नगर के आजीवन सदस्य हनुमान मंदिर के सामने कैंप 01 निवासी तेज बहादुर सिंह का आज निधन हो गया वे 89 साल के थे, उनकी अंतिम यात्रा उनके निवास हनुमान मंदिर, पानी टंकी. के पास, कैंप-1 से सोमवार 18 दिसंबर को दोपहर 12 बजे रामनगर मुक्ति धाम के लिए प्रस्थान करेगी। वे त्रिभुवन सिंह , राजेंद्र प्रसाद सिंह के पिता व भाजपा नेता संतोष कुमार सिंह के ससुर थे।

आदिवासी समाज के नवनिर्वाचित विधायकों का सम्मान, सीएम साय बोले-

पीएम नरेन्द्र मोदी ने पूरी की आदिवासी समाज की इच्छा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में सोमवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में नव निर्वाचित आदिवासी समाज के विधायकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रमें चीफगेस्ट के रूप में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय उपस्थित हुए। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री का अभिवादन किया गया।

इस दौरान सीएम साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आदिवासी समाज की इच्छा पूरी की है। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, विधायक केदार कश्यप, विक्रम उसेंडी, कवासी लखमा, गोमती साय, नीलकंठ टेकाम सहित अन्य विधायक और आदिवासी समाज के सदस्य उपस्थित हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर कहा कि आज 18 दिसंबर है, परमपूज्य बाबा गुरु घासीदास जी को उनकी जयंती पर नमन। उन्होंने समाज को मनखे मनखे एक समान का संदेश दिया। आज हमारे समाज के लिए सौभाग्य की बात है कि जिस छत्तीसगढ़ में करीब 32 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति की आबादी है, वहां सबकी अपेक्षा थी कि आदिवासी मुख्यमंत्री बने। हमारे आदिवासी समाज की उम्मीद को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पूरा किया है। हमारे प्रधानमंत्री मोदी के कारण आज पूरी दुनिया में हमारे देश का डंका बज रहा है।

सीएम साय ने कहा कि आज देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति के पद पर हमारे समाज की महिला द्रोपदी मुर्मू जी विराजमान है। छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण हमारे पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने किया। ताकि यहां के अनुसूचित जनजाति के लोगों का समुचित विकास हो सके, आर्थिक विकास हो सके। अनुसूचित जनजाति का सर्वांगीण विकास हो सके इसलिए उन्होंने भारत सरकार में पहली बार आदिम जाति कल्याण विभाग का गठन भी किया। आदिवासी समाज की सबसे ज्यादा चिंता मोदी जी की सरकार करती आ रही है

सीएम साय ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास के साथ मोदी की गारंटी में छत्तीसगढ़ की जनता से जो भी वादा हमने किया है पूरे पूरा करने की जवाबदारी हमारी है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष माताओं बहनों को 12 हजार रुपए, किसानों के हित में 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल में धान खरीदी की घोषणा समेत हर वर्ग के हित में घोषणाएं की। हमने वादा किया था कि गरीबों को आवास मुहैय्या कराएंगे इसे पूरा करते हुए पहली कैबिनेट बैठक में ही हमने 18 लाख गरीब परिवारों को पक्का मकान देने का निर्णय लिया।

ग्राम झझपुरी कला और सारधा में आयोजित संकल्प यात्रा शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे लोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली (पीआईबी)। केंद्र सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने एवं इन योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों से संवाद करने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आज लोरमी विकासखंड के ग्राम झझपुरी कला और सारधा में शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और शासन की योजनाओं का लाभ उठाने उनमें काफी उत्साह देखा गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के प्रचार-प्रसार एवं योजनाओं के लाभ से वंचित लोगों को लाभ दिलाने के लिए स्टॉल लगाया गया।

प्रचार-प्रसार वैन का ग्राम झझपुरी कला और सारधा में पहुंचने पर स्वागत समिति द्वारा भव्य स्वागत किया गया। एलईडी वैन के माध्यम से शासन की उपलब्धियों पर आधारित लघु फिल्म प्रदर्शित किया गया। शिविर में पहुंचे ग्राम झझपुरी कला की हितग्राही श्रीमती कौशल्या श्रीवास ने बताया कि उन्हें खाना बनाने के लिए ईंधन हेतु छेना, लकड़ी इकट्ठा करने के लिए बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब शासन की महत्वाकांक्षी उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन मिलने से उन्हें खाना बनाने के दौरान लकड़ी के धुंए से मुक्ति मिली है। बता दें कि दोनों जगह आयोजित शिविर में सैकड़ों हितग्राही पहुंचे, जिसमें से कई हितग्राहियों ने शासन की योजनाओं के लाभ मिलने के बाद उनके जीवन में आए बदलाव को मेरी कहानी, मेरी जुबानी के माध्यम से साझा किया। वहीं शासन की विभिन्न योजनाओं से वंचित कई हितग्राहियों ने योजना का लाभ उठाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में मरीजों का स्वास्थ्य जांच एवं उपचार कर आवश्यक परामर्श दिया गया।

टाटा ग्रीन बैटरीज ने बैटरी जोन भिलाई के साथ में डीलर मीट का किया आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। टाटा ग्रीन के क्षेत्रीय बिक्री प्रबंधक अजीत चौबे और प्रबंधक सर्विस पवन कुमार बांदा और छत्तीसगढ़ टीम और बैटरी जोन से सरफराज भाई और उनकी पूरी टीम ने सक्रिय रूप से भाग लिया और टाटा ग्रीन बैटरी के बारे में पेपरलेस वारंटी सपोर्ट और यूएसपी के बारे में डीलर्स को अवगत किया।

खुदरा विक्रेताओं के लिए टीजी कनेक्ट पॉइंट्स,टीजीवाए 2.0, वीआईपी क्लब के माध्यम से उपनगरीय बाजारों में सर्विस पॉइंट्स का विस्तार, टीजीवाए कनेक्ट प्लस के द्वारा पॉइंट्स स्कीम, सर्वोत्तम गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धी कीमतों के साथ ऑडी, बीएमडब्ल्यू, फॉर्च्यूनर आदि जैसे उच्च-स्तरीय वाहनों के लिए हाई-एंड डिन सीरीज़ लॉन्च की गई।

आज 2W बैटरी चार्जर स्कीम और उस्ताद मैकेनिक स्कीम की भी शुरुआत की गई जिसका वीआईपी क्लब मेंबर द्वारा सराहा गया। टीजीवाए के वितरक सरफराज जी एंड टीजीवाए टीम द्वारा शानदार प्रदर्शन के लिए शीर्ष 10 डीलरों को उनके सर्वोत्तम प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया है। सभी डीलर और टीम अब तक की सबसे अधिक डिलीवरी करने और इस ब्रांड को अगले स्तर पर ले जाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

रायमुनि भगत ने किया विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए हेल्प डेस्क का उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। आदिवासी मुख्यमंत्री बनते ही राज्य की विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के लिए शासनस्तर पर विशेष प्रयास शुरु कर दिए गए हैं।जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बगीचा में विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए सहायता केंद्र की स्थापना की गई है जिसका सीधा लाभ यहां के कोरवा,बिरहोर व अन्य जनजातीय समुदाय को मिलेगा।

जशपुर विधायक रायमुनि भगत ने बगीचा सीएचसी में सहायता केंद्र कार्यालय का उद्घाटन किया।इस अवसर पर जिला महामंत्री मुकेश शर्मा,जिला उपाध्यक्ष शंकर गुप्ता,मंडल अध्यक्ष रामसलोने मिश्रा समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व आमजन उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि उक्त सहायता केन्द्र में संपर्क के लिए स्थायी नंबर जारी किया गया है।8770339586 पर फोन कर विशेष पिछड़ी जनजातीय समुदाय के लोग स्वास्थ्य सेवाओं के लिए संपर्क कर सकते हैं। बीएमओ डॉक्टर सुनील लकड़ा ने बताया कि उक्त स्वास्थ्य सहायता केन्द्र के माध्यम से पहाडी कोरवा और बिरहोर जनजाति के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य प्रदान करना इस सहायता केंद्र का प्रमुख उद्देश्य है।टीबी के मरीज, उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं के उपचार का अनुश्रवण कर पूर्ण उपचार उपलब्ध कराना उनकी पहली प्राथमिकता है। जशपुर विधायक रायमुनि भगत ने बताया कि पहाड़ी कोरवा बिरहोर जिले के पहुंचविहीन क्षेत्रों में निवासरत हैं जहां एम्बुलेंस वाहन के माध्यम से भी पहुंच कठिन रहता है। ऐसे क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करना चुनौतीपूर्ण होता है। विशेष पिछड़ी जनजातियों को उक्त स्वास्थ्य सहायता केन्द्र के माध्यम से इन जनजातियों में होने वाली मातृ एवं शिशु मृत्यु में कमी लाना, होने वाली बीमारियों का समय पर पता लगाकर उनकी जांच एवं त्वरित उपचार तथा स्वास्थ्य सुविधाओं को लेने हेतु जागरूक करने का लक्ष्य है।

विशेष पिछड़ी जनजाति में समन्वयक के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधाऐं लेने हेतु जागरूक करना, टीबी के मरीज, उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं के उपचार का अनुश्रवण कर पूर्ण उपचार उपलब्ध कराना उद्देश्य है।पाठ क्षेत्र के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं हेतु मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में बेहतर सेवायें देने हेतु प्रशिक्षण दिया गया है। विशेष पिछडी जनजातियों को किसी भी प्रकार की स्वास्थ्यगत समस्या होने पर उक्त सहायता केन्द्र से सम्पर्क कर स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त करने हेतु अपील की जा सकती है।

राजधानी रायपुर में क्रिसमस के पूर्व सदभावना सर्वधर्म रैली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में क्रिसमस सदभावना सर्वधर्म रैली रविवार को सुबह11 बजे सेंट पॉल्स कैथेड्रल व सेंट जोसफ महागरिजाघर से निकाली गई। जाएगी। रैली की अगुवाई आर्च बिशप विक्टर हैनरी ठाकुर व बिशप एसके नंदा, रेवरेंड सेंजो पी वर्गिस विकार मार्थोमा चर्च रायपुर, ऑर्थोडॉक्स चर्च इन इंडिया कोलकाता डायसिस के सचिव फादर जैकब थॉमस भिलाई, बिलिवर्स ईस्टर्न चर्च के फादर संदीप लाल ने की।

रैली में सभी धर्मों के धर्मगुरु व जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे। दोनों कैथेड्रल से चलकर रैली राजीव गांधी चौक पहुंची। फिर छोटापारा, कोतवाली चौक, सदर बाजार, सत्ती बाजार, कंकाली तालाब, पुरानी बस्ती थाना चौक, बूढ़ातालाब, श्याम टाकिज होते हुए नगर निगम गार्डन में समाप्त तथा सेंट पॉल कैथेड्रल में समाप्त हुई।

क्रिसमस सदभावना सर्वधर्म रैली में उद्धारकर्ता येशु के जन्म और भाईचारे का संदेश देने वाली झांकियां थी। राजधानी में प्रभु येशु के जयकारे गूंजते रहे। महारैली में प्रदेशभर से लोग जुटे। कन्वीनर छत्तीसगढ़ डायसीस के प्रवक्ता जॉन राजेश पॉल थे। रैली में प्रदेशभर के मसीही संस्थाओं, संगठनों, सामाजिक संस्थाओं और सदभाव व भाईचारे में यकीन रखने वाले प्रतिनिधि, लेखक, कलाकार, साहित्यकार , धर्म अध्यक्ष, पासवानगण, फादर्स,धर्म बहने कलीसिया के सदस्य, संडे स्कूल, महिला सभा युवा सभा, क्वायर भी शामिल हुए।

विधायक व पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व विधायक श्रीचंद सुंदरानी, पदमश्री अनूप रंजन पांडे, छत्तीसगढ़ डायसिस के सचिव नितिन लॉरेंस, हिज हाइनेस एलेक्सियस मॉर इसबयिस मेट्रोपॉलटिन कोलकाता डायसिस इंडियन ऑर्थोडॉक्स चर्च और बिशप एन. आसावान मॉडरेटर मेनोनाइट चर्च इन इंडिया ने भी शुभकामनाएं दी।

सुप्रसिद्ध कबीर गायक पदमश्री जीडीएस भारती बंधु, अल्पसंख्यक अयोग के अध्यक्ष महेंद्र छाबड़ा, स्वतंत्रता सेनानी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने, अभिनेता योगेश अग्रवाल, छत्तीसगढ़ क्रिश्चियन फेलोशिप के अध्यक्ष पादरी राकेश प्रकाश भिलाई, वीजी फादर सेबेस्टियन पी. सेंट थॉमस चर्च तिल्दा से रेवरेंड सुबोध कुमार, सीएनआई बोर्ड ऑफ एजुकेशन के जयदीप रॉबिंसन, डायसिस कोषाध्यक्ष अजय जॉन, कार्यकारिणी मेंबर रुचि धर्मराज, प्रमोद मसीह, वी नागराजू, रेवरेंड सुनील कुमार, पादरी अब्राहम दास, विजय सूता, जोरा चर्च, मोहन सी सैमुअल मार्थोस चर्च, सीएनआई चर्च खंडवा पास्टर एमआर पटरस भी शामिल हुए।

रैली में सीएनआई छत्तीसगढ़ डायसिस, कैथोलिक आर्च डायसिस, मॉरथोमा चर्च बिलिवर्स डायसिस , जीसस कॉल्स के आशीष चौरसिया एंड टीम, तेरा साथ संस्था, सर्व आस्था मंच, तिरंगा वंदन मंच, मेनोनाइट चर्च, रायपुर क्रिश्चियन चर्च, सेंट मेरीस चर्च टाटीबंध, सेंट जेवियर्स चर्च भनपुरी, सेंट टेरेसा चर्च अमलीडीह के फादर जॉन पुन्नूर, सचिव एंथोनी तिर्की, कैथोलिक चर्च गुढ़ियारी के फ ादर, सेंट जोसफ महागरिजाघर के फ ादर जॉस फि लिप, यूनाइटेड पास्टर्स फेलोशिप के रेवरेंड राजेश गार्डिया, सेंट पॉल्स कैथेड्रल सुरेश सिंह और पर्सिस अभय सिंह, सैम्युएल, सेंट मैथ्यूस चर्च के पादरी असीम विक्रम, अर्पना कौशिक, मनीषा कुलदीप, सीएनआई प्रार्थना भवन नवा रायपुर, सेंट जेकब चर्च जोरा, ग्रेस चर्च रायपुर भी शामिल हुए।

कार्यशाला में बच्चों को मिली उनके अधिकारों की जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। ज़िला कलेक्टर अवनीश शरण के मार्गदर्शन में यूनिसेफ़ ने जिले के सभी ब्लॉक में बाल अधिकार एवं पॉक्सो एक्ट विषय पर स्कूली बच्चों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किए। इस कार्यशाला को ज़िला प्रशासन ,यूनिसेफ़,छत्तीसगढ़ वी द पीपल फाउंडेशन और सीजी एग्रीकों समिति की संयुक्त तत्वाधान में किया गया जिसमें पुलिस डिपार्टमेंट बिलासपुर और महिला बाल विकास विभाग ने सहयोग दिया।

कार्यक्रम दिनांक 11दिसंबर से 14 दिसंबर तक ग्राम खोंगसरा , केंदा, घुटकू, रानीडेरा, दर्रीघाट, लोहार्सी सोन , चकरभाटा जैसे ग्रामों के हायर सेकेंडरी स्कूलों में यूनिसेफ़ द्वारा कार्यशाला आयोजित कर समाज में बच्चों के साथ होने वाले अलग अलग प्रकार के शोषण एवं अत्याचार के बारे में अवगत कराते हुए उन्हें उनके अधिकारों के बारे में समझाया गया । साथ ही बाल संरक्षण इकाई और पुलिस प्रशासन द्वारा पॉकसो एक्ट के बारे में उदाहरण और कहानियों के माध्यम से समझाया गया कि आजकल बच्चे किस तरह अनजाने में बड़े बड़े क़ानूनी मामलो में फंस जाते हैं। साथ ही मनोबल प्रोग्राम के कार्यप्रणाली के बारे में सार रूप में जानकारी दी गई । कार्यशाला को सफल बनाने हेतु चयनित स्कूलों में यूनिसेफ़ ज़िला सलाहकार रुमाना खान, यूनिसेफ़ ज़िला नोडल पंकज सिंह (अधीक्षक भू- अभिलेख), मनोबल प्रोग्राम ज़िला समन्वयक योगेश पुरोहित, समस्त सहायक ब्लॉक शिक्षा अधिकारी , समस्त संबंधित थाना प्रभारी , ज़िला बाल संरक्षण इकाई बिलासपुर एवं अन्य लोग उपस्थित होकर सहयोग प्रदान किए। सभी स्कूल प्राचार्य एवं शिक्षकों द्वारा कार्यशाला की सराहना करते हुए समय समय पर ऐसे कई सामाजिक विषयों पर बात चित करने की बात की गई।

मथुरावासी चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किड्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

महिलाओं की फर्जी फेसबुक आइडी बनाकर ठगी के मामले बढ़े, दो महीने में सामने आई 30 से ज्यादा शिकायतें

पुलिस की अपील- बरते सावधानी, आईडी को करें लॉक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर फर्जी फेसबुक आइडी बनाकर लोगों को झांसा देकर रुपये मांगने के मामले सामने आने लगे हैं। इस बार ऑनलाइन ठगों ने अपना तरीका भी बदल लिया है। पहले ठग पुलिस, सामाजिक और प्रशासनिक जगत के नामचीन लोगों के फोटो लगाकर इंटरनेट मीडिया पर फर्जी फेसबुक आइडी बनाकर उनके दोस्तों को संदेश भेजकर ठगी करते थे, लेकिन कुछ दिन में उनका भेद खुल जाता था। अब ऑनलाइन ठग महिलाओं के नाम से फेक आइडी बनाकर लोगों को चूना लगा रहे हैं।

फेक आइडी के लिए वे ऐसी महिलाओं को चुनते हैं, जो गृहणी हैं या फिर बड़े पद पर हैं। गृहणी महिलाएं अपना फेसबुक पेज कई दिनों तक खोलती तक नही हैं। उनकी फेक आइडी तैयार कर वह उनकी मित्र सूची में शामिल महिलाओं को निशाना बना रहे हैं। बीते दो माह में ऐसी 30 के करीब शिकायतें साइबर क्राइम के पास पहुंची हैं। पुलिस ने इन महिलाओं के फेक अकाउंट बंद कराते हुए जांच शुरू कर दी है।

साइबर एक्सपर्ट मोहित साहू ने बताया कि इंटरनेट मीडिया के माध्यम फेसबुक पर सामान्य महिलाओं की सक्रियता बढ़ गई है। ग्रामीण महिलाएं भी अपना फेसबुक आइडी बना रही हैं। इसका फायदा ये ऑनलाइन ठग उठा रहे हैं। वे ऐसी महिलाओं के फर्जी प्रोफाइल बनाकर उनकी फ्रेंड लिस्ट में शामिल लोगों को बेटे की बीमारी या अन्य तरह की आपात जरूरत का संदेश भेजकर पांच-दस हजार रुपये की मांग करते हैं। कुछ महिलाओं ने झांसे में आकर रुपये भी दे दिए और बाद में इसका पता चला। चौंकाने वाली बात यह है कि जिनकी फेक आइडी बनाई गई, उनको पता ही नहीं कि उनके नाम पर ठगी की जा रही है। पता चलने के बाद उन्होंने साइबर सेल में शिकायत की है।

शिकायत आने पर पुलिस उन महिलाओं के फर्जी आइडी को बंद कराने के लिए फेसबुक को मेल करती है और दो से तीन दिन में उस आइडी को बंद करा दिया जाता है और मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। फेक आइडी बनाने वाले की गिरफ्तारी नहीं हो पाती है। हम बता दें कि अभी तक आइजी, एसपी, डीएसपी, टीआइ तक की फेक आइडी बनाने के मामले सामने आ चुके हैं।

यह सावधानियां बरतें

- अपने फेसबुक अकाउंट को हमेशा लाक करके रखे।
- अनजान व्यक्ति का फ्रेंड रिक्वेस्ट को स्वीकार नहीं करें।
- ऐसे व्यक्ति से ऑनलाइन संवाद करने से बचें।
- अगर किसी परिचित की आइडी से बीमारी या अन्य किसी कारण से आपसे रुपये मांगे जाते हैं तो पहले उसकी सत्यता जांच लें।
- यदि कोई आपकी फेक आइडी बनाए तो 1930 पर तुरंत इसकी शिकायत करें।
- ऑनलाइन राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर भी शिकायत कर सकते हैं।

खास खबर

खुद को बैंक कर्मचारी बता कियोस्क बैंक का आईडी दिलाने के नाम पर की ठगी

जांजगीर (ए)। खुद को बैंक का कर्मचारी बताते हुए बेरोजगारों को कियोस्क बैंक की आईडी दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस फर्जीवाड़े में कोसीर जिला सारंगढ़ से एक युवक को गिरफ्तार किया है, उसके साथी अभी फरार है।

बम्हनीडीह पुलिस के अनुसार उच्चभिट्टी थाना कोसीर निवासी युवक निर्मल चंद्रा (24 वर्ष) अपने अन्य साथी के साथ ग्राम सोंठी के हीराराम केंवट को यह बताया कि वह किसी बैंक का कर्मचारी है। वह उसे कियोस्क बैंक की शाखा खोलने के लिए आईडी दिलवा सकता है। इसके बदले में उसने हीराराम से फोन पे के माध्यम से दो किस्तों 20 हजार रुपए ले लिए परआईडी नहीं दिला सका। आईडी नहीं मिलने पर हीराराम केंवट बैंक पहुंचा। वहां उसने उक्त व्यक्ति निर्मल चंद्रा के बारे में जानकारी ली तो पता चला कि इस नाम का कोई कर्मचारी बैंक में काम नहीं करता है। हीराराम ने ठगी की रिपोर्ट लिखाई थी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 420,34 के तहत अपराध दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपी निर्मल चंद्रा को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर 1 लाख 8 हजार 839 रुपए की ठगी करना स्वीकार किया। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

सुपेला में अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर पुलिस ने 8 सटोरियों को पकड़ा

भिलाई। सुपेला थाना अंतर्गत बड़े पैमाने पर चल रहे सट्टा पर पुलिस ने लंबे समय बाद कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस ने तीन अलग-अलग स्थानों से आठ सटोरियों को पकड़ा है। आरोपी के कब्जे से कुल 8 मोबाइल, लाखों रुपए की सट्टा-पट्टी समेत कुल 90 हजार रुपए की संपत्ति बरामद की है। सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट की धारा 6 के तहत कार्रवाई की है।

पुलिस ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिला कि कुछ लोग शंकर पारा खटाल रोड के पास में सट्टा खिला रहे है। इस पर टीम को तत्काल मौके पर रवाना किया गया। मौके पर आरोपी राकेश चौहान, अशोक बघेल, शेख जाफर, उमेश कुमार निषाद, मोहम्मद सलीम कुरैशी मिले। सटोरियों के कब्जे से सट्टा-पट्टी, 5 मोबाइल एवं नगदी रकम जब्त की है। इसी तरह लक्ष्मी मार्केट के पास में सट्टा खिलाते अमीत विभोर, शेख जमील को पकड़ा। आरोपियों के पास से सट्टा-पट्टी, 2 मोबाइल एवं नकदी पकड़ी।

कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत, 3 घायल

तेज रफ्तार गाड़ी की टक्कर से 15 फीट उछल गए बाइक सवार

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर जिले में रविवार रात तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई, वहीं 3 युवक घायल हैं। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना कोनी थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, कोनी निवासी धर्मेंद्र ठाकुर (27) अपने साथी रोहित निषाद, दुर्गेश यादव, राहुल टंडन के साथ रविवार की रात बाइक से शहर की ओर आ रहे थे। रात करीब 9 बजे बाइक सवार युवक बिलासा ताल के पास पहुंचे थे। उसी समय रतनपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार चारों युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार युवक उछलकर सड़क से दूर जा गिरे। हादसे के बाद चारों युवक सड़क किनारे इधर-उधर बेहोशी की हालत में पड़े थे। इससे बाइक सवार 4 युवक 15 फीट उछलकर सड़क से दूर जा गिरे। इस हादसे में एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, तीन युवक गंभीर रूप से घायल हैं।

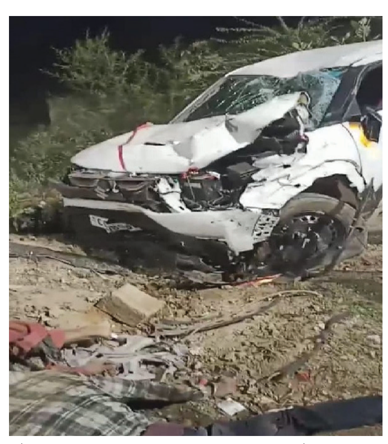

आसपास के लोगों ने पुलिस को दी सूचना

इस दौरान राहगीरों ने क्षतिग्रस्त कार और आसपास पड़े युवकों को देखा। उन्होंने घटना की जानकारी कोनी पुलिस को दी। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। इस दौरान एक युवक धर्मेंद्र ठाकुर की मौत हो गई थी। वहीं, रोहित, दुर्गेश और राहुल घायल स्थिति में मिले। पुलिस ने घायल युवकों को अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने घटना के तत्काल बाद आरोपी कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तेज रफ्तार वाहनों पर नहीं है लगाम

शहर के साथ ही आसपास की सड़कों पर तेज रफ्तार वाहनों पर पुलिस लगाम नहीं लगा पा रही है। खासकर कोनी-रतनपुर मार्ग में चालक काफी तेज रफ्तार से वाहन चलाते हैं, जिसके कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं।

ब्राउन शुगर की 209 पुड़िया के साथ युवक गिरफ्तार नागपुर से लाकर दुर्ग में करता था सप्लाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मोहन नगर थाना क्षेत्र से ब्राउन शुगर बेचते एक आरोपी को रविवार को गिरफ्तार कर जेल भेजा। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक अपने पास ब्राउन शुगर रखकर मोहन नगर क्षेत्र में ग्राहक की तलाश कर रहा है। पुलिस की टीम ने कातुलबोर्ड के सतनामी तलाब के पास शंकर नगर निवासी देवेन्द्र कुमार उर्फ मोन्टू विश्वकर्मा (30) को घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी देवेन्द्र कुमार ने बताया कि वो

बाइक पर घूमकर लोगों को ब्राउन शुगर बेचता है। नागपुर से लाकर दुर्ग में सप्लाई करता था। उसके पास से ब्राउन शुगर की 209 पुड़िया मिली है। जिसकी कीमत 62 हजार 700 रुपए बताई जा रही है।सीएसपी चंद्रा ने बताया कि दुर्ग पुलिस ने मादक पदार्थों के अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ अभियान चला रही है। उनके खिलाफ लागातार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस लगातार गांजा, शराब, ब्राउन शुगर और नशे जुड़ी सभी अवैध चीजों की धरपकड़ कर रही है।

पुलिस की टीम देशभर के कोने-कोने में जाकर जिले से गायब बालक-बालिकाओं को ढूंढ निकाली

बिलासपुर (ए)। जिले से गायब बालक-बालिकाओं को देश के अलग-अलग कोने में जाकर पुलिस की टीम खोज निकाल ली है। इन बच्चों को फिर उनके स्वजनों को सुरक्षित सौपा गया। पुलिस की टीम ने इन बच्चों को कोलकाता, कटनी समेत अन्य राज्यों से ढूंढ निकाले हैं। कई महिनों से गुम हुए बच्चों को वापस पाकर स्वजनों के चेरहे खुशी से छा गई। पिछले कुछ सालों से जिले से बालक-बालिकाएं गायब हो गई थीं। स्वजनों की शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच में जुटी गई थीं। इस दौरान आइजी और एसपी के निर्देश पर इन बच्चों को ढूंढने के लिए पुलिस की टीम को कोलकाता, कटनी व अन्य राज्य भेजी गई। पुलिस की टीम 10 दिनों में 42 बालक व बालिकाओं को ढूंढ निकाली। फिर इन बच्चों को उनके स्वजनों को सौंपा गया।

साथ ही सभी आरोपी की गिरफ्तारी की गई। इसके अलावा 20 नवंबर को 17 दिसंबर तक 67 अपहृत बालक- बालिकाओं सुरक्षित बरामद किया गया। केस -1 सकरी थाना क्षेत्र के मेंड्रा निवासी नाबालिग के पिता ने अपराध दर्ज कराया था कि घर से उसकी नाबालिग बेटी गायब हो गई है। इस मामले में पुलिस अपराध दर्ज कर जांच में जुटी थी। इस दौरान बालिका को उत्तर प्रदेश में होने की जानकारी मिली। बालिका की बरामदगी के लिए टीम उत्तर प्रदेश रवाना हुई। साइबर सेल के माध्यम से बालिका की लोकेशन अयोध्या जिले में होना सामने आया। अयोध्या जिला पुलिस के सहयोग से बालिका को सकुशल बरामद किया गया।

बाइक सवार दंपति को ट्रक ने कुचला, पत्नी की मौत पहियों के नीचे 50 मीटर तक घसीटती रही महिला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में रविवार को लापरवाह ट्रक चालक ने बाइक सवार दंपति को कुचल दिया। बाइक सवार को ठोकर मारने के बाद महिला ट्रक के पहियों के बीच फंस गई और 50 मीटर तक घसीटती रही। इससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आसपास काफी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने आरोपी ट्रक ड्राइवर को मौके से गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भी भेजा गया है। इस मामले में टिकरापारा पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार यह हादसा रायपुर के संतोषी नगर पुराना धमतरी रोड में शुभम के मार्ट के सामने हुआ है। 34 साल की सवाना बाई ध्रुव अपने पति रमन ध्रुव के साथ अपने देवर से मिलने रायपुर पहुंची थी। रविवार की दोपहर मुलाकात के बाद दोनों चंगोराभाठा से देवपुरी अपने घर की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवारों को ठोकर मार दी। इस टक्कर से बाइक का बैलेंस बिगड़ा और दोनों नीचे गिर पड़े, इसी दौरान महिला ट्रक के पिछले चक्के के नीचे आ गई। इस हादसे में महिला की साड़ी ट्रक के पहिए में जा फंसी। इसके बाद ट्रक महिला को 50 मीटर तक सड़क पर घसीटता चला गया। महिला का शव चक्के में फंसने के बाद वह बुरी तरह कुचला गया साथ ही सड़क पर भी खून के निशान दिखने लगे। घटना के बाद मौजूद लोगों की वजह से सड़क पर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जाम खाली कराया।

दुर्ग में युवक की बेरहमी से हत्याः ईंट-पत्थर से इतना मारा कि हो गई मौत, बदमाशों की तलाश में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में रविवार की शाम को हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां कुछ बदमाशों ने एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी। बदमाशों ने पहले युवक का रास्ता रोका और मारपीट शुरू कर दी। ईंट व पत्थर से इतना मारा कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद सभी फरार हो गए। इधर घटना की सूचना मिलने के बाद कोतवाली पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना बघेरा रेलवे क्रॉसिंग के पास की बताई जा रही है। बघेरा निवासी रॉकी देशमुख को बेलदार पारा हनुमान मंदिर के पास कुछ बदमाशों ने रोका। इसके बाद बदमाशों ने रॉकी से गाली गलौच शुरू कर दी। विरोध करने पर बदमाशों ने मौके पर ईंट व पत्थर से उसे पीटना शुरू कर दिया। युवक को इतना पीटा की उसकी मौत हो गई। घटना के बाद सभी वहां से फरार हो गए। जैसे ही इसकी सूचना पुलिस को मिली वे मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। इधर आरोपियों की पहचान के लिए आसपास पूछताछ की गई है। फिलहाल सभी आरोपी फरार हैं जिनकी तलाश की जा रही है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR Mob.-9840760388 7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने गुरु घासीदास जयंती पर प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने 18 दिसंबर को सतनाम पंथ के प्रवर्तक परम् पूज्य संत बाबा गुरु घासीदास जी जयंती के अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र एवम् प्रदेशवासियों को बधाई और

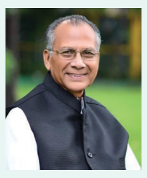

शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने बाबा घासीदास से प्रदेश की समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पूर्व मंत्री साहू ने कहा है कि बाबा गुरू घासीदास जी आधुनिक युग के सशक्त क्रान्तिदर्शी गुरु थे। अपने उपदेशों के माध्यम से उन्होंने दुनिया को सत्य,अहिंसा और सामाजिक सद्भावना का मार्ग दिखाया। उन्होंने सम्पूर्ण मानव जाति को 'मनखे-मनखे एक समान' के प्रेरक वाक्य के साथ यह संदेश दिया कि सभी मनुष्य एक समान है। गुरु घासीदास का जीवन-दर्शन युगों-युगों तक मानवता का संदेश देता रहेगा।

विशेष ग्राम सभा का आयोजन कल

दुर्ग। ग्राम पंचायत विकास योजना निर्माण हेतु विशेष ग्राम सभा का आयोजन 19 दिसम्बर 2023 को सभी ग्राम पंचायतों में किया जाएगा। स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत ग्राम पंचायत में आने वाले ग्रामों में शौचालय विहिन, परिवार का चिन्हांकन एवं उनकी सूची का ग्राम सभा में अनुमोदन उपरांत जनपद एवं जिला पंचायत को प्रेषित किया जाएगा। ऐसे ग्राम पंचायते जो ओ.डी.एफ प्लस ग्राम की किसी भी श्रेणी में नहीं है, उन्हें उदियमान ग्राम घोषित करने हेतु ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित करना एवं निर्धारित प्रमाण-पत्र को जनपद पंचायत में प्रेषित किया जाएगा। ऐसे ग्राम पंचायते जो ओ.डी.एफ प्लस उज्जवल श्रेणी में हैं उन्हें उत्कृष्ट गांव घोषित करने हेतु ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित करना एवं ग्रामसभा घोषणा का वीडियो तैयार कर ग्राम सभा प्रस्ताव एवं प्रमाण पत्र के साथ जनपद पंचायत को प्रेषित करने हेतु ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित किया जायेगा। स्थापित बायोगैस संयंत्रों को क्रियाशील बनाए रखने, समुचित उपयोग एवं संधारण हेतु जिम्मेदारी का निर्धारण किया जायेगा।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से महिलाओं को मिला सिलेंडर व चूल्हा

आमजन को मिल रहा है कई योजनाओं का लाभ, कोने - कोने से पहुंच रहें है शिविर में लोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वार्ड क्रमांक 1 वार्ड 55 पुलगांव बस्ती में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लोगो को 17 से अधिक योजनाओं से लाभांवित किया गया। साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा निशुल्क हेल्थ चेकअप की सुविधा प्रदान की गई है। लोगो ने निशुल्क शुगर-बीपी जांच की सुविधा का लाभ लिया।साथ ही जरूरतमंदों को डॉक्टरों द्वारा निशुल्क दवाइयों का भी वितरण किया गया। शिविर कार्यक्रम में प्रधामंत्री उज्ज्वला योजना का 988 हितग्राहियों ने नवीन पंजीयन कराया।

जिसमें 129 निराकरण किया गया। आसानी से पंजीयन हो जाने से अमरीका यादव ने खुशी जताते हुए शासन का आभार जताया। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री योजना का लाभ आसानी से मिल पाएगा।शिविर में प्रधानमंत्री स्वनिधि के 583 आवेदन प्राप्त हुए जिसमे 33 का निराकरण किया गया। हेल्थ कैम्प में 957 लोगो ने अपना उपचार करवाया,इसके अलावा आधार कार्ड अपडेशन करवाने लोगो की भीड़ देखा गया 683 लोगो ने अपना आधार अपडेशन के लिए आवेदन किया जिसमें 96 लोगो का निराकरण किया गया।साथ ही हितग्राहियों ने शिविर में पहुँचकर आयुष्मान कार्ड के लिए 68 लोगो ने आवेदन किया जिसमें 48 लोगो का निराकरण किया गया। बता दे कि सरकार की योजनाओं शिविर में निराकरण किया जा रहा है 1 राशन कार्ड,2 निराश्रित पेंशन 3 अमृत मिशन योजना,4 प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना,5 स्वास्थ्य कैंम्प,6 प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना,7 प्रधानमंत्री आवास योजना,8 आयुष्मान कार्ड,प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अलावा 9 महिला बाल विकास प्रधानमंत्री मातृ वंदना,सुकन्या समृद्धि नोनी मुख्यमत्री कन्या विवाह योजना,सुकन्या योजना शामिल है। कार्यक्रम शिविर के दौरान इस यात्रा के माध्यम से शहर के कोने कोने में लोगो को नगर पालिक निगम के अधिकारियों द्वारा केंद्रीय योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही कई योजनाओं का लाभ भी आमजन को दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से महिलाओ को मिला सिलेंडर वचूल्हा, आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने अधिकारियों के साथ पुलगांव बस्ती के सूक्षमता ताम्रकार एवं आशा बानो किया वितरण।शिविर कार्यक्रम में मौजूद पार्षद जयश्री जोशी,शिवेंद्र परिहार,मनीष साहू, नोडल अधिकारी मोहेंद्र साहू, सहायक नोडल अधिकारी दिनेश नेताम,जितेंद्र समैया,जावेद अली,दुर्गेश गुप्ता,विनोद मांझी,कारण यादव,पंकज साहू, विकास दमाहे, भारती ठाकुर,स्वेता महलवार, पंकज चंद्रवंशी, मुक्तेश कान्हा,थानसिंग यादव, आशुतोष ताम्रकार के अलावा अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहें।

शिविर क्रमांक 2 वार्ड 59 कातुलबोर्ड में दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम शिविर का आयोजन किया गया जिसमे कातुलबोर्ड में हितग्राहियों ने प्रधानमंत्री स्वनिधि 128 आवेदन प्राप्त हुए निराकरण 16 किया गया। आयुष्मान कार्ड के लिए आवेदन 238 लोगो ने किया जिसमें 34 लोगो का निराकरण हुआ,हेल्थ कैम्प में 616 लोगो ने अपना उपचार करवाया गया।आधार कार्ड के लिए 336 लोगो अपडेशन आवेदन किया जिसमें निराकरण 48 लोगो का किया गया। अलावा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लिए 213 लोगो ने पंजीयन करवाया,जिसमे 59 लोगो का निराकारण किया गया।

राष्ट्रपति से सम्मानित पंडित राम नारायण मिश्र ने बताई रत्नों की विशेषता

भिलाई में लगा है तीन दिवसीय शिविर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राष्ट्रपति सम्मानित, ज्योतिष शास्त्र में स्वर्ण पदक प्राप्त, भारत के सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य एवम् श्री रामानुज पंचाग के प्रधान सम्पादक एवं औरा स्कैनर डॉ. राम नारायण मिश्र गुरूजी का तीन दिवसीय ज्योतिष शिविर सोनिया ज्वेलर्स भिलाई तीन में लगा है। स्टेट बैंक के सामने लगे इस शिविर में बड़ी संख्या में लोग रत्नों की जानकारी लेने लोग पहुंच रहे है। कम दरों पर लोगों को उनकी राशि के अनुसार रत्न दिया जा रहा है।

रत्नों के संबंध में जानकारी देते हुए पंडित मिश्र ने बताया कि लोगों को अपने कर्म पर पहले ध्यान देना चाहिए। क्योंकि कर्म से फ्ल मिलता है। लोगों को अपना कर्म करते हुए ज्योतिष के आधार पर रत्न ग्रहण करना चाहिए।

सनातन संस्कृति में ज्योतिष व पंचांग का काफी महत्व होता है। राशि के अनुसार योग्य रत्न का चयन कर उसे धारण करने से समस्याओं का समाधान होता है लेकिन व्यक्ति को अपने कर्म पर भी ध्यान देना चाहिए। पंडित मिश्र ने बताया कि आज के युग के बड़े-बड़े लोग रत्न ग्रहण करते हैं। क्योंकि रत्नों पर उनका विश्वास है। भिलाई तीन में सोनिया ज्वेलर्स के सौजन्य से ज्योतिष शिविर लगा है। 16 दिसंबर से 18 दिसंबर तक यह शिविर लगा है। शिविर में आने वालों को कम दरों पर उनकी राशि के अनुसार रत्न दिए जा रहे हैं। यहां पूरी तरह से असली राशि रत्न दिए जा रहे हैं। कई बार लोग नकली रत्न पहन कर ठगे जाते हैं लेकिन यहां ऐसा नहीं है। पंडित मिश्र ने कहा कि सोमवार को शिविर का अंतिम दिन है और इस शिविर का अधिक से अधिक संख्या में लाभ ले सकते हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950